अवध की आवाज

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

www.avadhkaawaz.com

वर्ष–10 अंक–230 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ शुक्रवार 19 नवम्बर 2021 पृष्ठ – 8 मूल्य–3 रूपया

संक्षिप्त समाचार

ट्रेन से कटकर मोटरसाइकिल सवार दो युवकों की मौत

फतेहपुर (उप्र) (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में मलवां थाना क्षेत्र की चखेंड़ी गांव में रेलवे क्रॉसिंग पर ट्रेन से कटकर मोटरसाइकिल सवार दो युवकों की मौत हो गई। मलवां थाना के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) अरविंद कुमार सिंह ने बश्हस्पतिवार को बताया कि बुधवार की रात करीब 11 बजे रेलवे क्रॉसिंग पर एक मोटरसाइकिल ट्रेन की चपेट में आ गयी, जिससे उसपर सवार दो युवकों की ट्रेन से कटकर मौके में मौत हो गयी। उन्होंने बताया कि दोनों युवकों की पहचान छबिनाथपुर गांव के रामचन्द्र (35) और महमदपुर गांव के उसके साले संदीप कुमार (19) के रूप में हुई। दोनों रात में कानपुर से वापस लौट रहे थे, वे तभी रेलवे पटरी पार करते समय ट्रेन की चपेट में आ गए। एसएचओ ने बताया कि दोनों युवकों के शव पोस्टमॉर्टम के लिए ले जाये गए।

प्रो. विनय पाठक को ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के कुलपति पद का अतिरिक्त प्रभार मिला

लखनऊ (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक को ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखानऊ का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। आज जारी एक आदेश में प्रो0 विनय कुमार पाठक को नियमित कुलपति की नियुक्त होने तक अथवा अग्रिम आदेशों तक, जो भी पहले हो, अपने वर्तमान दायित्वों के साथ–साथ ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के कुलपति पद के दायित्व का निर्वहन करने हेतु नियुक्त किया गया है। उल्लेखनीय है कि ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के वर्तमान कुलपति प्रो0 अनिल कुमार शुक्ला की नियुक्ति महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर, राजस्थान के कुलपति के पद पर हो गयी है।

विकास योजनाओं से पूर्वांचल में कॉरिडोर बना रही भाजपा

लखनऊ (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव में सत्ता दोहराने के फिराक में जुटी भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) इस बार पूर्वांचल को अपनी धुरी बनाना चाहती है। इसीलिए योगी सरकार के साथ केन्द्र सरकार ने भी यहां पर ज्यादा फोकस करना शुरू किया है। विपक्ष को पीछे ध ाकेलने के लिए यहां पर योजनाओं के जरिए विकास और रोजगार की चमक से भाजपा दोबारा सत्ता पर काबिज होना चाहती है। 2014 के चुनाव से शुरू हुआ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति लोगों का आकर्षण 2017 में भी कम नहीं हुआ था। विकास के भरोसे उन्हें लगातार यहां से समर्थन मिल रहा है। पूर्वांचल के विकास की उम्मीद में लोगों की निगाह अभी भी प्रधानमंत्री पर ही टिकी हुई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने अपनी रैलियों में पूरी ताकत के साथ जनता से कहा कि यदि इस क्षेत्र का विकास करना है तो उसे डबल इंजन की सरकार बनानी पड़ेगी। जनता ने भाजपा नेताओं की इस बात पर भरोसा किया और उसे पूर्वांचल की 115 सीटें सौंप दीं। इसका सीधा परिणाम हुआ कि भाजपा ने रिकॉर्ड 312 सीटों पर जीत के साथ सत्ता हासिल की और योगी आदित्यनाथ प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। यूपी के इस

हिस्से को विकास से अछूता न रखने के लिए सबसे पहले 341 किमी लंबा यह एक्सप्रेसवे 9 जिलों लखनऊ से होते हुए बाराबंकी, अयोध्या, अंबेडकरनगर, अमेठी, सुल्तानपुर, आजमगढ़, मऊ और गाजीपुर से होकर गुजरेगा। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे की शुरूआत लखनऊ सुलतानपुर राजमार्ग पर चंदसराय गांव से गाजीपुर जिले के हलदरिया गांव पर खात्म होगा। पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे के आसपास 5 इंडस्ट्रियल क्लस्टर्स बनाने की योजना सरकार की है। इससे बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है। यूपी विधानसभा चुनाव से पहले बाबा विश्वनाथ का दरबार वैश्विक स्तर पर अपने अलग स्वरूप में नजर आएगा। श्री काशी विश्वनाथ धाम का लोकार्पण दिसंबर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। फिलहाल ध ाम का 80 फीसदी से अधिक कार्य पूरा हो चुका है। कुशीनगर को अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की सौगात प्रधानमंत्री दे चुके हैं। 589 एकड़ में 260 करोड़ की लागत से बना ये हवाई अड्डा उत्तर प्रदेश का तीसरा और सबसे लंबे रनवे वाला एयरपोर्ट भी है। विंध्य क्षेत्र मीर्जापुर और सोनभद्र जिले में शुद्ध जलापूर्ति के लिए हर घर नल योजना शुरू हुई है। इसके साथ ही अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) गोरखपुर, खाद कारखाना, सल्फरलेस चीनी के साथ विद्युत उत्पादन करने वाली पिपराइच और मुंडेरवा (बस्ती) चीनी मिल। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस वे–सौंदर्यीकरण के बाद रामगढ़ ताल का निखरा स्वरूप– गोरखपुर में चिड़ियाघर– अत्याधुनिक सुविध ाओं से युक्त योगिराज गंभीरनाथ प्रेक्षागृह व महंत दिग्विजय नाथ स्मृति पार्क। सिद्धार्थनगर में मेडिकल कॉलेज। देवरिया में मेडिकल कॉलेज। बाढ़ बचाव के लिए तरकुलानी रेगुलेटर। राप्ती नदी के राजघाट का पर्यटन स्थल के रूप में विकास। चौरीचौरा शहीद स्मारक का सौंदर्यीकरण। इसके अलावा भी अन्य कई योजनाओं पर केन्द्र और राज्य सरकारें मिलकर काम कर रही हैं। भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी मनीष दीक्षित ने बताया कि भाजपा चाहती है कि प्रदेश के हर हिस्से का समान विकास हो। सपा, बसपा, कांग्रेस पूर्वांचल को वोटबैंक तो बनाया। लेकिन उसे अनाथ छोड़ दिया। भाजपा पूर्वांचल को विकास हब बना रही है। विकास और सुशासन की राजनीति को जनता अपना अशीर्वाद देगी। वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषक रतनमणि लाल कहते हैं कि पिछले कई दशकों से पिछड़े इस इलाके पर भाजपा सरकार का फोकस है। तमिलनाडु, महाराष्ट्र और गुजरात में उद्योग को बहुत बढ़ावा दिया गया है। यहां का विकास किया गया। जिस काल में यहां का विकास हुआ। तो सरकारें हर चरण में आती रहीं। उद्योग लगाने का फायदा लम्बे समय में होता है। था। लेकिन उद्योग और विकास से काबू किया गया। भाजपा और आरएसएस के नीति–निर्धारकों ने भी इसी फॉमूले का इस्तेमाल किया है। यहां पर बहुत सारी योजनाएं चल रही हैं। जिसमें राज्य सरकार भी भरपूर सहयोग कर रही है। कहा कि पूर्वांचल को चुनना दीर्घकालीन राजनीतिक व्यवस्था के लिए किया जा रहा है। जो भी काम हो रहा है कि वह कई सालों तक दिखाई देता रहा। पूर्वांचल में जो विकास की परियोजनाएं चल रही हैं। इसके दूरगामी परिणाम होंगे।

ब्रह्म मुहूर्त में लखनऊ पहुंची अखिलेश की विजय रथ यात्रा

लखनऊ,(वेब वार्ता)। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे पर लगभग 16 घंटे का सफर तय कर समाजवादी विजय रथ यात्रा के साथ आज गुरुवार को सुबह चार बजे लखनऊ पहुंचे। पूरी रात चली यात्रा के तमाम पड़ावों पर जोश से भरे पार्टी कार्यकर्ताओं का हुजूम उमड़ता रहा।

लखनऊ सीमा पर यात्रा के इस चरण के समापन पर अखिलेश ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुये कहा, "यह एक पड़ाव मात्र है। लखनऊ में साइकिल की सरकार बनने तक विजय यात्रा चलती रहेगी।"

उल्लेखनीय है कि 16 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 341 किमी लंबे पूर्वांचल एक्सप्रेस वे का उद्घाटन किया था। सपा ने इस एक्सप्रेस वे पर 16 नवंबर को ही गाजीपुर में अखिलेश का रोड शो एवं रैली करने की अनुमति मांगी थी, लेकिन गाजीपुर प्रशासन नेसुरक्षा कारणों से उन्हें अनुमति देने से इंकार कर दिया था।

इसके जवाब में एक्सप्रेस वे से जुड़े सभी नौ जिलों के सपा कार्यकर्ताओं ने अखिलेश के आह्वान पर नवनिर्मित एक्सप्रेस वे पर पुष्पवर्षा कर इसका मंगलवार को सांकेतिक उद्घाटन किया। इसके बाद 17 नवंबर को अखिलेश यादव ने गाजीपुर से लखनऊ तक पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर गाजीपुर से लेकर लखनऊ तक विजय रथ यात्रा निकालने की घोषणा कर दी।

कल गाजीपुर में मोहम्मदाबाद के पखनपुर में अखिलेश की जनसभा के साथ ही विजय रथ यात्रा गाजीपुर से शुरु होकर मऊ, आजमगढ़, अम्बेडकर नगर, अयोध या, सुल्तानपुर, अमेठी, बाराबंकी होते हुये आज सुबह चार बजे लखनऊ पहुंची। हालांकि रात भर चली यात्रा के कारण कुछ स्थानों पर लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

सुल्तानपुर में एक्सप्रेस वे पर निध ारित पड़ाव पर अखिलेश की यात्रा के समय से नहीं पहुंच पाने के कारण लोगों को मायूस होना पड़ा। सुलतानपुर से प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार को नरेंद्र मोदी द्वारा एक्सप्रेस वे के लोकार्पण के जवाब में आयोजित सपा की जनसभा में अखिलेश के न पहुंच पाने से कार्यकर्ता मायूस होकर वापस लौटे। देर रात 12 बजे यात्रा पहुंचने की उम्मीद में पार्टी के सिर्फ वरिष्ठ पदाधिकारी इंतजार करते रहे।

सुलतानपुर जिले के जयसिंहपुर विधानसभा के अरवलकीरी करवत में कल दोपहर 12 बजे अखिलेश को विजय रथ यात्रा के रोड शो के साथ जनसभा में हिस्सा लेना था। दोपहर 12 बजे से भारी संख्या में पहुंचे समर्थक और कार्यकर्ताओं को घंटों इंतजार करने के बाद रात को वापस लौटना पड़ा।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ने की योगी से मुलाकात

लखनऊ, (वेब वार्ता)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से लखनऊ में उनके आवास पर मुलाकात की। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से दी गयी जानकारी के अनुसार इस औपचारिक मुलाकात का मकसद दोनों राज्यों के बीच कुछ परिसंपत्तियों को लेकर पिछले कुछ दशकों से चल रहे आपसी विववाद को सुलझाने के उपाय तलाशना है। धामी ने सुबह लगभग साढ़े नौ बजे मुख्यमंत्री आवास में योगी से शिष्टाचार भेंट की। मुख्यमंत्री कार्यालय के एक अधिकारी ने बताया कि ध ामी और योगी की मुलाकात के बाद गुरुवार को ही लखनऊ में दोनों राज्यों के वरिष्ठ अधि ाकारियों की बैठक होगी। इसमें विवाद के दायरे वाली चिन्हित संपत्तियों के विवादित पहलुओं को आपसी सहमति से सुलझाने पर विचार विमर्श किया जायेगा। उल्लेखनीय है कि उत्तराखंड राज्य बनने के बाद लखनऊ और देहरादून सहित दोनों राज्यों में कुछ चिन्हित परिसंपत्तियों पर दोनों राज्यों का अपना अपना दावा होने के कारण विवाद बना हुआ था। योगी के मुख्यमंत्री बनने के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने विवाद के पहलुओं को सुलझाने की पहल तेज की थी। इसके परिणामस्वरूप ही दोनों राज्यों के बीच अधिकारी स्तर की बातचीत शुरु हो सकी है।

किसान नेता सहित दर्जनों किसानों ने पानी की टंकी पर किया प्रदर्शन

अवध की आवाज ब्यूरो

पिहानी हरदोई। पिहानी थाना क्षेत्र के रामपुर दहेलिया में किसान नेता सहित दर्जनों किसान पानी की टंकी के ऊपर चढ़कर किया प्रदर्शन। भाकियू किसान यूनियन के तहसील अध्यक्ष राहुल मिश्रा ने जनपद सीतापुर के महोली प्रशासन के रवैये से नाराज होकर क्षेत्र के दहेलिया पानी की टंकी पर चढ़कर दर्जनों किसानो के साथ किया प्रदर्शन।ज्ञात हो कि किसानों की मजदूरों समस्याओं को लेकर महोली ब्लाक पर चल रहा है 15 दिनों से भाकियू अवध का धरना प्रदर्शन परंतु प्रशासन ने नही सुनी कोई बात ना लिया कोई संज्ञान। सुबह से किसान नेता राहुल मिश्रा ने पानी की टंकी पर चढ़कर किया आमरण अनशन उसके बाद भी नही दिया गया।किसान नेता अखिलेश बाजपेयी ने कहा जी महोली नगर पंचायत के अधिकारी ने जो तानाशाही दिखाते हुए कहा कि पानी की सप्लाई जो रोकी गयी है वो बहुत ही निंदनीय है,साथ मे कहा कि पंद्रह दिनों से किसानों की बात नही सुनी जा।अब जब तक उचित निर्णय नही होगा तब तक नही उतरेंगे ।किसान नेता राहुल मिश्रा ने कहा कि जब तक सक्षम अधिकारी नही आता तब तक आंदोलन चलता रहेगा। प्रदर्शन के दौरान मौके पर सैकड़ो की तादात में किसान भाई मौजूद रहे।

डिस्ट्रिक्ट प्रेस क्लब के संजय सोनी अध्यक्ष व तरुण निरंजन बने महामंत्री

अवध की आवाज

उरई (जालौन) नवगठित डिस्ट्रिक्ट प्रेस क्लब की कोंच नगर कार्यकारिणी के गठन हेतु बुधवार को स्थानीय सरोजनी नायडू पार्क में पत्रकारों की एक बैठक आयोजित की गयी जिसमें शामिल वरिष्ठ एवं कनिष्ठ पत्रकारों ने सर्वसम्मति से अध्यक्ष व महामंत्री का चयन पूरा कर लिया। अध्यक्ष के दायित्व की जिम्मेवारी वरिष्ठ पत्रकार संजय सोनी व महामंत्री के दायित्व की जिम्मेवारी पत्रकार तरुण निरंजन को सौंपी गयी।बैठक में शामिल करीब आधा सैकड़ा पत्रकारों ने नव नियुक्त दोनों पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर स्वागत कर एकजुटता प्रदर्शित की।नव नियुक्त अध्यक्ष व महामंत्री ने एक सुर में कहा कि स्थानीय स्तर पर वरिष्ठ से लेकर सभी कनिष्ठ पत्रकारों के मान सम्मान का पूरा ख्याल रखकर पत्रकारों के हित में कार्य किया जायेगा और पत्रकार उत्पीड़न के खिलाफ जिला नेतृत्व की अगुवाई में हर स्तर पर लड़ाई लड़ी जायेगी।बैठक में वरिष्ठ पत्रकार रमेश तिवारी, पुरुषोत्तम दास रिछारिया, राजेन्द्र यादव, अंजनी श्रीवास्तव, अफजाल अहमद, अतुल चतुर्वेदी ने पत्रकार हित को लेकर जरूरी सुझाव रखे।इस दौरान पत्रकार हरिओम यागिक, डॉ मृदुल दांतरे,नवीन कुशवाहा,राहुल राठौर, दुर्गेश कुशवाहा, दिलीप पटेल, रविकांत द्विवेदी, शैलेन्द्र पटेरिया, मो यूसुफ, हरिमोहन कुशवाहा, सौरभ मिश्रा,बंटे रावत, वरुण सेठ,हरगोविंद खुराना,रोहित राठौर, जहांगीर मंसूरी,पवन अग्रवाल,मनोज दुवे, बांके सोनी, बाबूराम पाल, भानुप्रताप, सुंदरम सोनी आदि पत्रकार साथी मौजूद रहे।संचालन पत्रकार अतुल चतुर्वेदी ने किया।

गड्ढों में तब्दील हुई सड़कें, राहगीरों की मुसीबते बढ़ी

अवध की आवाज

पिरौना (जालौन) कस्बा एट नेशनल हाईवे से ग्राम भरसूड़ा को जाने वाला मार्ग गड्ढो में तब्दील हो गया बताते चले कि इस रोड से मवई, धुरट होते हुए ग्राम भरसूड़ा को यह मार्ग जोड़ता है आवागमन के कारण सड़क पर बड़े बड़े गड्ढे हो गए ग्रामीणों ने बताया कि पिरौना, सला, जमरोही खुर्द, छिरावली होते हुए भी सड़क की बुरी दुर्दशा बनी हुई है यहां के लोगो को घण्टो लग जाते है मैन रोड पहुचने में, कस्बा एट से आधा दर्जन ग्रामो को जोड़ने वाली सड़के गड्ढे में तब्दील हो गई है। इस सड़क पर चलना कितना मुश्किल है इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि बाइक से मात्र सात किलोमीटर का सफर तय करने में आधा घंटे का वक्त लग जाता है गड्ढामुक्त सड़कों के तमाम सरकारी दावों के बावजूद क्षेत्र की सड़कों के हालत में सुधार नहीं हैं गड्ढे में तब्दील हो चुकी इन सड़कों पर राहगीरों का चलना मुश्किल है आए दिन बाइक सवार और साइकिल सवार गड्ढे की वजह से गिरकर घायल हो जा रहे हैं। सड़कों पर जगह जगह गड्ढे बन गए हैं जिसमें भरा पानी राहगीरों के लिए परेशानी का कारण बने हुए हैं। सड़कों के किनारे जमा पानी, टूटी हुई सड़क के उपर से बह रहा है स्थानीय लोगो

का कहना है कि सड़कों पर किसी का ध्यान नहीं है राहगीरों के लिए जोखिम भरा है। छिरावली निवासी काशीराम ने बताया कि सड़कों पर बने गड्ढों की वजह से इस रास्ते से सफर करना जोखिम भरा हुआ है स्थानीय जन प्रतिनिधियों को इस पर ध्यान देना चाहिए जिससे लोगों को इस परेशानी से निजात मिल सके। संजय उर्फ संजू ने कहा कि गड्ढामुक्त सड़क का सरकारी दावा फेल गड्ढामुक्त सड़क के सरकारी दावे फेल हैं अब तो इन सड़कों पर चलने से डर लगने लगा है इस सड़क से होकर जाने वाले परिवार के सदस्य जब तक वापस नहीं आ जाते चिंता लगी रहती है। भरसूड़ा निवासी चरन सिंह पहलवान ने कहा कि सड़क निर्माण में मानको का ध्यान नहीं विभागीय अधिकारियों और ठेकेदारों की मिलीभगत से सड़कें मानक के अनुरूप नहीं बन पाती जिससे हल्की सी बारिश और वाहनो की आवाजाही से सड़कों की गिट्टी उखड़ जाती है। मवई निवासी कृष्ण कुमार ने बताया कि विकास कार्य केवल कागजों पर सरकार के विकास के वादे कागजों तक ही सीमित हैं । जमीनी सच्चाई आकड़ों के बिल्कुल विपरीत हैं। ऐसे में स्थानीय जनप्रतिनिधि ायों की उदासीनता लोगों पर भारी पड़ रही है। घनसिंह ने बताया कि बारिश के कारण सड़कों की मरम्मत का कार्य नहीं हो पाया है। अब बारिश थम गई है, ऐसे में जल्द ही सड़कों को दुरूस्त कराया जाए।

लखनऊ विकास प्राधिकरण में लगे आवास मेले में 32 लोगों ने कराई रजिस्ट्री

अवध की आवाज

लखनऊ । लखनऊ विकास प्राधिकरण भवन के भूतल स्थित कमेटी हाल में आज दिनांक 18 नवम्बर को आवास मेला एवं प्राधि ाकरण दिवस का आयोजन किया गया। इसको लेकर लोगों में काफी उत्साह देखने को मिला, जिसके फलस्वरूप कैम्प में भारी भीड़ उमड़ी। उपाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी द्वारा आवंटियों की सुविधा के लिए समस्त औपचारिकताएं पूर्ण कराकर निबन्धन की कार्यवाही कराने के आदेशों के क्रम में आज आवास मेले के अन्तिम दिन 32 आवंटियों के पक्ष में सम्पत्तियों की रजिस्ट्री की गई। वहीं, 25 लोगों को सम्पत्तियों का आवंटन किया गया। प्राधिकरण के अपर सचिव ज्ञानेन्द्र वर्मा ने बताया कि दो दिवसीय आवास मेले में कुल 77 लोगों की रजिस्ट्री की गई है। इसके अलावा अपर सचिव की अध्यक्षता में अधि ाकारियों ने प्राधिकरण दिवस में प्राप्त हुए समस्त प्रकरणों की त्वरित सुनवाई की और अधिकांश प्रकरणों में कार्यवाही भी प्रचलित कर दी। प्राधिकरण दिवस में पहुँची जानकीपुरम निवासी दीप्ति शुक्ला ने अपने आवास के सामने की सड़क पर कुछ लोगों द्वारा अवैध कब्जा किये जाने की शिकायत की, जिस पर अपर सचिव द्वारा प्रवर्तन के सम्बन्धित अधिकारी को न सिर्फ त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिये गये, बल्कि शिकायतकर्ता से उनकी बात भी करवा दी। उनकी इस कार्यशैली पर पीड़ित महिला द्वारा अधिकारियों का आभार व्यक्त किया गया। इसी तरह शिविर में पहुँचे सर्वेश कुमार और साधु सिंह ने बताया कि उन्हें बसंतकुंज योजना (हरदोई रोड) के सेक्टर–ओ में अलग–अलग भूखण्ड आवंटित हुए थे, जिनकी रजिस्ट्री लम्बित है। इस पर नजूल अधिकारी द्वारा सम्बन्धि ात अनुभाग अधिकारी को कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया, जिसके चलते दोनों आवंटियों की फाइल पर कार्यवाही शुरू हो गई। इस मौके पर विशेष कार्याधिकारी अमित राठौर, रामशंकर, अरूण कुमार सिंह तथा नायब तहसीलदार स्निग्धा चतुर्वेदी उपस्थित रहीं।

सम्पादकीय

जियो टेंशन-फ्री!

सवेरे की सैर करते हुए लंबे समय बाद मैं अपने एक पुराने मित्र से मिला। उन्होंने मुझे देखा, राम–राम हुई और फिर हम दोनों इकट्ठे सैर करते हुए गपशप करने लगे। थोड़ी ही देर की बातचीत से स्पष्ट हो गया कि वे कुछ परेशान थे। वे अमीर आदमी हैं, गाड़ी है, कोठी है, नौकर–चाकर हैं, अच्छा व्यवसाय है। वे कुछ बताना चाह रहे थे, पर खुल नहीं रहे थे और मैंने कुरेद कर कुछ पूछना उचित नहीं समझा। मुझे यही ठीक लगा कि वे तब कुछ बताएं जब वे उसके लिए मानसिक रूप से तैयार हों। कुछ देर बाद वे चले गए। मैं अभी और सैर कर ही रहा था कि मेरे एक अन्य मित्र सैर करने आ गए। कोविड के कारण उनका व्यवसाय बिल्कुल बंद है, कमाई बंद है, घर के सारे खर्चे जारी हैं। मेरे इन मित्र का छोटा–सा घर है, कार के नाम पर उनके पास मारुति आल्टो है। पर वे जब मुझसे मिले, वे चहचहा रहे थे, खुश थे। अब वे मेरे साथ सैर करते हुए गपशप करने लगे। बातचीत में उन्होंने बताया कि कोविड के कारण पिछला व्यवसाय तो अभी खुलने की उम्मीद न के बराबर है, इसलिए उन्होंने नए तरह का व्यवसाय करने का मन बनाया, उसके लिए उन्हें कुछ तकनीकी ज्ञान की जरूरत थी, सो उन्होंने ट्रेनिंग ली, अपना स्किल–सेट बढ़ाया और अब वे जल्दी ही नया व्यवसाय शुरू करने वाले हैं। सैर करते हुए मेरी भेंट इन दो सज्जनों से हुई।

जो सज्जन पहले मिले, वो अमीर हैं, लेकिन परेशान हैं, दूसरे सज्जन जो बाद में मिले वो ज्यादा अमीर नहीं हैं, पिछला बिजनेस भी बंद है, नया बिजनेस अभी शुरू होना है, फिर भी वो चहक रहे थे, खुशमिजाजी से बात कर रहे थे। एक आदमी अमीर और साधन संपन्न होने के बावजूद खुश नहीं है, दूसरे आदमी के पास फिलहाल कमाई का कोई साधन नहीं है, व्यवसाय बंद है, नया अभी शुरू होना है, वह ज्यादा अमीर भी नहीं है, तो भी एकदम खुश है, प्रसन्न है। सवाल है कि खुश कैसे रहें, जीवन की समस्याओं से कैसे निपटें और समस्याओं के बावजूद खुश रहना कैसे सीखें। विज्ञान का मानना है कि आप कोई काम कर रहे हों, काम कठिन हो या नापसंद हो, उसके बावजूद आपने अगर पूरा कर लिया तो खुशी होती है। आप अपनी देखभाल करें या मनपसंद भोजन करें तो भी खुशी मिलती है और अपनी छोटी–छोटी सफलताओं से भी आपको खुशी मिलती है।

क्यों होता है ऐसा? विज्ञान का मानना है कि ऐसी हर स्थिति में हमारा दिमाग डोपामाइन नाम का एक कैमिकल रिलीज करता है जिसे विज्ञान 'रिवार्ड कैमिकल' कहता है। यानी आपने कोई कठिन काम सफलतापूर्वक पूरा कर लिया, किसी क्लायंट से आपको आर्डर मिल गया, कोई डील फाइनल हो गई, तो आपका दिमाग आपको पुरस्कार देता है, और वो पुरस्कार है खुशी। इसी तरह जब आप अपनी देखभाल करते हैं, मनपसंद खाना खाते हैं या आपको कोई मनचाही सफलता मिलती है तो भी हमारा दिमाग डोपामाइन नाम का कैमिकल रिलीज करता है और हम खुश हो जाते हैं। अगर आप ध्यान करें, हल्की दौड़ लगाएं, तैराकी करें या साइकिल चलाएं, हल्की धूप में बैठें, प्रकृति के सानिध्य में जाएं, पेड़–पौधों, फूलों के बीच जाएं तो आपका दिमाग सीरोटोनिन नाम का कैमिकल रिलीज करता है जो आपका मूड सैट कर देता है। अगर आप अपने घरेलू पालतू पशु के साथ खेलें, छोटे बच्चे के साथ खेलें, किसी प्रिय व्यक्ति का हाथ पकड़ें, किसी को गले लगाएं और किसी की सच्ची प्रशंसा करें या शाबाशी दें तो भी आप खुश हो जाते हैं क्योंकि तब हमारा दिमाग औक्सीटोसिन नाम का कैमिकल रिलीज करता है, जिसे वैज्ञानिक लोग 'लव कैमिकल' मानते हैं। अगर आप कोई व्यायाम करें या हंसें, कोई कामेडी देखें या गहरे रंग की चाकलेट खाएं तो हमारा दिमाग एंडॉरफिन नाम का कैमिकल रिलीज करता है। वैज्ञानिक ऐसा मानते हैं कि यह एक 'पेन किलर' का काम करता है जिससे हमें खुशी मिलती है। ये चार कैमिकल खुशी देने वाले कैमिकल हैं।

अकेलापन महसूस होने की स्थिति में या उदासी की हालत में इनमें से कुछ भी करें, यानी सैर करें, व्यायाम करें, तैराकी करें, प्रकृति का आनंद लें, बच्चों के साथ खेलें, किसी से गले मिलें तो आपका मूड बदल जाएगा और आपको खुशी मिलेगी। जीवन है तो समस्याएं भी होंगी ही, चुनौतियां भी होंगी, कठिनाइयां भी होंगी, अड़चनें भी होंगी। यह समझना आवश्यक है कि कोई समस्या आए तो हमें क्या करना चाहिए। समस्याएं सुलझाने का चरणबद्ध जो वैज्ञानिक तरीका मनोवैज्ञानिकों ने सुझाया है, अब मैं उसकी चर्चा करूंगा। पहला चरण है यह स्वीकार करना कि समस्या हमारी है और इसे सुलझाने की जिम्मेदारी भी हमारी ही है। यह पहला कदम है, इसे स्वीकार किए बिना हम आगे नहीं बढ़ सकते। यह मानना जरूरी है कि समस्या हमारी है और इसे सुलझाना भी हमको ही है। दूसरा चरण है कि हम समस्या को समस्या के रूप में देखना बंद करें और इसे एक चुनौती मानें। दृष्टिकोण के इस परिवर्तन से ही मानो जादू हो जाता है। जब हम किसी अड़चन को समस्या मान लेते हैं तो हम घबरा जाते हैं। घबरा जाने का नुकसान यह होता है कि हमारी सोचने–समझने और सही निर्णय लेने की शक्ति कमजोर हो जाती है। इसलिए अड़चनों को समस्या मानने के बजाय अगर हम चुनौती मान लें तो हमारा दिमाग खुल जाता है और हम अड़चन दूर करने के तरीकों के बारे में सोचने लगते हैं।

हम कई तरीकों से कोशिश करने लगते हैं, खोज करने लगते हैं। यह समझना लाभदायक है कि कोई बड़ी समस्या अक्सर कई समस्याओं का जोड़ होती है, उसके कई चरण होते हैं। तीसरा महत्त्वपूर्ण कदम यह है कि हम समस्या को छोटे–छोटे हिस्सों में बांट लें और फिर उसके एक–एक हिस्से का समाधान करते चलें। समस्याएं हल करने का चौथा चरण यह है कि हम उस चुनौती को दूर करना अपना लक्ष्य बना लें। यह वह स्थिति है जहां हम मनोविज्ञान का सहारा लेते हैं। इस चरण में हम यह कल्पना करते हैं कि हमने इस अड़चन को दूर कर लिया, इस समस्या से पार पा लिया, हम जीत गए और अगले यानी, पांचवें स्टैप में हम उस लाभ की कल्पना करते हैं, कि काम में सफलता मिल जाने के बाद हमें क्या–क्या फायदे होंगे, क्या आराम मिलेगा, क्या सुख मिलेगा। जब हम कल्पना में अपनी जीत देखते हैं और उस जीत से होने वाले फायदे देखते हैं तो हमारा निश्चय पक्का हो जाता है, हम अड़चनों से लड़ने के लिए तैयार हो जाते हैं और यह कल्पना हमारी सफलता की सीढ़ी बन जाती है। मनोविज्ञान की भूमिका यहीं तक है, इसके बाद फिर एक्शन शुरू हो जाती है। अगर हम संयम से, धैर्यपूर्वक काम शुरू कर दें तो अड़चनों से पार पाना आसान हो जाता है और जीवन खुशहाल हो जाता है। जीवन में खुश होने और सुखी रहने का यह गुरुमंत्र हम याद रखोंगे तो सफलता के शिखर छू लेंगे। यही कीजिए।

प्रकृति ने हम सभी को हवा–पानी उपाहार स्वरूप प्रदान किये है

–विनोद तकिया वाला–

आदिकाल से ही जब सर्वोच्च शक्ति ने श्रृष्टि के श्रंखला में जब पृथ्वी, सागर कृआकाश का निमार्ण किया तो इसी क्रम मे अपनी श्रृजन में प्रकृति में वन –प्राणी जीव–जन्तु कीट–पतंगे का निर्माण किया। हमारे धर्म ग्रंथों मे इसका उल्लेख किया गया है। प्रकृति मे हमेशा संतुलन बना रहे इसके लिए कुछ नियम भी बनाए गये है।जैसे–जन्म के साथ मृत्यु, श्रृजन–विध्वंस ' दिन–रात, सु:ख–दु:ख एक दुसरे का पूरक है,जो कटू सत्य है। इसके बदले में प्रकृति ने उपहार स्वरूप अपने अनमोल खजानो में से कुछ बेस कीमती अंश हवा–पानी निःशुल्क दिये है।प्रकृति ने अपनी संरचना में घुप–जंगल,पानी हवा पशु –पक्षी कई कीट –पतंग आदि के लिए भोजन ' मौसम आदि बनाये है।परमात्मा ने अपने श्रृष्टि में सर्वोतम कृति में मानव जिसे बुद्धि दी,जो हमेशा ही कुछ नये चीज का आविष्कार करता रहता है। कालान्तर में इसका नाम विज्ञान पड़ा है .।जो कल तक भगवान के रूप में जाना जाता था ।आज वही विज्ञान विनाश के रूप मे भयावह रूप धारण कर विध्वंश का ताण्डव कर रहा है। जिससे प्रकृति का संतुलन बिगड़ गया है ।इसका ताजा उधारण कोरोना जैसी वैश्विक महामारी है। जिन्होने विश्व को एक संदेश दे गया है ।मानव जितना भी विकाश कर ले लेकिन विकाश के नाम पर प्रकृति से छेड छाड वह ना करे । अगर प्रकृति का संतुलन बिगड़ गया तो श्रृष्टि का विध्वंश हो जायेगा।कोरोना ने मानव को उनकी असलियत बताते हुए जीवन जीने का तरीका भी बताया है। मानव अपने भोग विलास की जीवन जीने में गलती पे गलती कर रहा है। परिणाम स्वरूप आज हमे ना साफ पानी मिलता है ना ही स्वच्छ हवा ।पानी तो हम बोतल बंद पी कर किसी तरह जी रहे है,लेकिन स्वच्छ हवा कहाँ से लायेगे ।आज की कहानी देश की राजधानी दिल्ली पर आधार्रित है। दिवाली के बाद दिल्ली वासियो व एन सी आर के लोगो के लिए यहाँ के वातारण मे बढ़ते प्रदूषण चिन्ता का विषय बना हुआ है । दिल्ली–एनसीआर का एक्यूआई स्तर पिछले कुछ दिनों से लगातार 500 से ऊपर चल रहा है । देश की राजधानी क्षेत्र गैस–चेंबर बन गया है। ऐसे में इंसान तो क्या ऐसे दम–घोटू वातावरण में जीव जंतु और पेड़–पौधों तक का जीवित रह पाना मुश्किल हो गया है। यह स्थिति सिर्फ दिल्ली तक सीमित नही है।ब्लकि पूरे उत्तर भारत के सभी शहर के यहीं हालात है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार प्राण वायू में प्रदूषित हवा और पीने में गन्दे (प्रदूषित) पानी के उपयोग से भारत में प्रतिवर्ष 40 लाख लोग आकाल मृत्यु के आगोश में समा जाते हैं। इनमें से अधिकांशतय 7 वर्ष से कम उम्र के बच्चे और 60 साल से अधिक उम्र के बुजुर्ग होते हैं।जहरीली गैसे हमेशा बनती है और इन्सानों के फेफड़ों में पहुंच कर धीरे धीरे धीमा जहर का असर मौत का सफर बन जाते है।आज प्रदूषण का कहर दुसरे दिनों की तुलना में कम पैदा हो रहा है ।मगर हवा की गति कम होने के कारण प्रदूषण का दम–घोटू जहर गैस–चेंबर बन कर सीधा प्रभाव डाल रहा है ।

दिल्ली के अलग अलग स्थानों पर एक्यूआई स्तर मे बड़ा फर्क स्पष्ट रूप से यह सन्देश देता है की दिल्ली के दम–घोटू जहरीले गैस–चेंबर के लिए स्थानीय प्रदूषण जिम्मेवार है।अगर किसानों के पराली जलाने से दिल्ली का एक्यूआई स्तर 500 पहुंचता है तो जहाँ पराली जल रही है उस अंचल के हवा का एक्यूआई स्तर 1000 के आसपास होना चाहिए था। जहां पराली जल रही है ।उस जगह का एक्यूआई स्तर सामान्य है तो दिल्ली जो कि पराली जलने वाले स्थान से सैंकड़ों किलोमीटर दूर है, फिर पराली जलने से दिल्ली को कैसे इतना प्रदूषण का जहर दे सकता है।दिल्ली के बढ़ते प्रदूषण के मामले का एक भाग है।सरकार ने प्रदूषण को पराली जलाने से जोड़ 40 लाख लोगों की मौत के कारण को मजाक बना कर घोर अमानवीय होने का परिचय दिया है और नागरिकों के जान माल की रक्षा करने की अपनी जिम्मेवारी से दूर भाग रही है। किसानों का पराली जलाना गलत है और हम इसकी वकालत नहीं कर रहे मगर दिल्ली के प्रदूषण स्तर बढ़ने के असली कारणों का सठीक आकलन कर वैज्ञानिक विधि से प्रदूषण को खत्म कर आम लोगों को दम–घोटू जहरीले गैस–चेंबर से मुक्ति दिलाने का काम कर रहे हैं।

प्रकृति और पंछी हमारे और सरकार के बनाए हुए नियमों का पालन नही करते और अपने नियम कानूनों के अनुसार चलते हैं। अभी हेमन्त ऋतु का समय चल रहा है जो शीत ऋतु से पहले आती है। इस ऋतु में दिन और रात के टेम्परेचर/तापमान में व्यवधान बहुत कम रहता है ।इस कारण हवा का प्रवाह धीमी गति से होता है। इस समय हवा में आद्रता भी पर्याप्त रहती है इस कारण प्रदूषण के सुक्ष्म कण आद्रता के साथ हवा में तैरने लगते और दम–घोटु गैस–चौंबर का माहौल बन जाता है। शीत ऋतु से पहले पेडपोधो के पत्ते भी पक कर झड़ने लगते हैं ।इस कारण जहरीली गैसों के सोखने की प्रक्रिया भी काफी धीमी गति से काम करती है। इस कारण परिस्थितियां और भी भयंकर रुप धारण कर लेती है। जहाँ बात दिल्ली में प्रदूषण की, तो जिस तरह से प्रचार किया जाता है कि दिल्ली गैस चौम्बर बन गई ।दिल्ली प्रदूषण का हब हैप्यह सरासर गलत है। प्रदूषण केवल दिल्ली में ही नहीं है, बल्कि पूरे देश में फैला हुआ है और इसकी जिम्मेदारी राज्य सरकारों की तो है, लेकिन उससे अधिक इसकी जिम्मेदारी केन्द्र सरकार की है ' क्योंकि तकनीकी और आर्थिक रुप से केन्द्र सरकार राज्य सरकारों से सैंकड़ों गुण सक्षम है। क्या केन्द्र सरकार और राज्य सरकार के नागरिक अलग अलग हैं । इसलिए सम्पूर्ण तंत्र को संघठित होकर इससे निपटना चाहिए। केवल दिल्ली सरकार के सिर पर प्रदूषण का दोष मढ़ना ठीक नहीं है।

दर असल प्रदूषण के स्तर को कम करने की केन्द्रसरकार–दिल्ली सरकार के संग् से सटे सीमाओं के राज्य सरकार की इच्छा शक्ति बिलकुल नही है और एक दूसरे पर आरोप–प्रत्यारोप लगाने को प्राथमिकता दी जा रही है। तभी देश सवसे बडे सर्वोच्च न्यायालय ने केन्द्र सरकार–राज्य सरकार को फटकार लगाते हुए कहा है कि–प्रतिवन्ध के बावजूद पटाके क्यो जले ' पराली जलाने के कारगर उपाय केन्द्र सरकार को किसानो को उपलब्ध कराया जाय । फाईब स्टार ए सी रूम मे डिवेटस करने से ज्यादा प्रदूषण फैलता है। एक दुसरे पर आरोप लगाने के कोई ठोस कदम उठाने चाहिए ।जल्द से जल्द आपस मे बेठक कर कोई ठोस रण नीति बनाये–न्यायालय को बताये । सर्वोच्च न्यायालय की चिन्ता इस बात को स्पष्ट कर देती प्रदूषण का खतरा कितना भयावह है।

दिल्ली की सरकारें ने दिल्ली के स्कूल बंद ' र्निमाण कार्य,दिल्ली सरकार कार्यालय मे वर्क फ्राम होम आदि ठोस कदम उठाये है! आज सर्वोच्च न्यायालय मे केन्द्र सरकार–राज्य सरकार अपना अपना पक्ष रखने के दौरान दिल्ली सरकार ' केन्द्र सरकार व सीमा वर्ती राज्यो के सरकार कोई ठोस जवाब या कार्य योजना नही है।

अगर स्थिति काबु मे नही हुई तो कई हमे–हमारे परिवारो के सदस्यों को पानी की तरह आक्सीजन की सिलेन्डर को पीठ पर 'गाड़ी में,घर मे,कार्यालय मे ले कर जीने का मजबूर ना होना पडे ।अभी ज्यादा दिन भी नही हुए जब कोरोना संकट आक्सीजन को लेकर त्राहि त्राहि का कारुणिक दृश्य देखे थे ! हम सभी ने अपने को खोया था । ऐसी स्थिति पुनः ना आये इसके लिए सरकार के साथ आम जनता को भी सोचना पड़ेगा । भगवान सब को सद्बुद्धि प्रदान करे !

अभी आप से यह कहते हुए विदा लेते है–ना ही काहूँ से दोस्ती, ना ही काहूँ से बैर । खबरी लाल तो मॉगे, सबकी खैर

फिर मिलेगे ' तीरक्षी नजर से तीखी खबर के संग तब तक के लिए अलविदा ।

हिंदुत्व का अर्थ है विश्व बंधुत्व

–डॉ. रामकिशोर उपाध्याय–

फर्रुखाबाद लोकसभा सीट से दो बार जमानत जब्त करा चुके कांग्रेस के पूर्व मंत्री सलमान खुर्शीद जिनका एनजीओ डॉ. जाकिर हुसैन मेमोरियल ट्रस्ट दिव्यांगों के नाम पर सरकारी धान के हेरफेर के लिए सुर्खियों में रह चुका है और ये स्वयं भी प्रतिबंधित मुस्लिम संगठनों को न्यायिक सेवाएँ दिलाने के लिए भी आलोचनाएँ झेल चुके हैं, इस बार अपनी विवादित पुस्तक 'सनराइज ओवर अयोध्या' में हिंदुत्व की तुलना इस्लामिक आतंकवादी संगठनों से करके फँस गए हैं।

यद्यपि कांग्रेस के ही वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद ने सलमान खुर्शीद के लिखे को तथ्यात्मक रूप से गलत और अतिश्योक्तिपूर्ण माना है। किन्तु खुर्शीद उनके परामर्श को मानने के लिए तैयार नहीं हैं।

सलमान अब मीडिया साक्षात्कारों में भी कहने लगे हैं कि उन्होंने सोच समझकर हिंदुत्व की तुलना इस्लामिक संगठनों से की है।

प्रश्न यह है कि संसार में लगभग पचास से भी अधिक इस्लामिक देश हैं, क्या किसी भी इस्लामिक या मुस्लिम बहुसंख्यक देश में किसी को भी मुसलमानों या इस्लाम की निंदा करने की अनुमति है? इस्लामिक देशों में तो इस्लाम की शान में जरा सी गुस्ताखी करने पर भी गर्दन काट दी जाती है। कई देशों ने ईशनिंदा कानून लागू कर रखे हैं। पाकिस्तान में सलमान तासीर की हत्या सबको याद ही होगी। अब हिन्दुस्थान के हिंदुत्व की बात करते हैं। यहाँ बहुसंख्यक हिन्दुओं के प्रत्येक मंदिर में पूजा–आरती के बाद सामूहिक उद्घोष होता है– विश्व का कल्याण हो, प्राणियों में सद्भावना हो। किसी भी मंदिर में नहीं कहा जाता कि केवल हिन्दुओं का कल्याण हो। ऐसा भी नहीं कहा जाता कि हे ईश्वर संसार के सभी गैर हिन्दुओं का नाश हो, हमें उन पर विजय दिला जबकि कुछ मजहबों में विधर्मियों के लिए लानतें भेजने का भी चलन है। हिंदुत्व का अर्थ है विश्वबंधुत्व। हर हिन्दू को बचपन से यही सिखाया जाता है कि प्राणी मात्र पर दया करो। परोपकार, सत्य, अहिंसा और वसुधैव कुटुम्बकम की भावना हिंदुत्व के मूल तत्व हैं।

गुरु तेगबहादुर जी और उनके तीन शिष्यों को इसी हिंदुत्व की रक्षा करने पर मुगल शासकों द्वारा दिल्ली के चाँदनी चौक पर तड़पा–तड़पाकर मारा गया। भगवान शिव, महावीर स्वामी, भगवान बुद्ध सहित सभी देवों की मूर्तियाँ खंडित करने वाले और अब स्वयं को उनका उत्तराधिकारी घोषित करने वालों से भी हिन्दुओं ने कभी बदला लेने की नहीं सोची। अब हिंदुत्व की तुलना आतंकवादी संगठनों से किया जाना बड़े दुख की बात है। भारत का कोई हिन्दू और यहाँ तक कि सभ्य मुसलमान भी इस प्रकार की तुलना पसंद नहीं करेगा।

ऐसा लगता है कि सलमान खुर्शीद अब एक व्यक्ति न होकर हिन्दुओं से नफरत करने वाली मानसिकता का प्रतीक बन गए हैं। अच्छा हो कि आम मुसलमान जो हिन्दुओं के साथ प्रेम से रह रहे हैं और रहने की कामना करते हैं, वे स्वयं इस कथित बौद्धिक गैंग का विरोध और बहिष्कार करें। हिंदुत्व की इस्लामिक आतंकवादी संगठनों से तुलना केवल हिन्दुओं और हिन्दुस्थान का ही अपमान नहीं है अपितु यह भारत की महान सांस्कृतिक परंपरा पर आघात भी है। हिंदुत्व आरंभ से आज तक, जैसा था वैसा ही है। यह वही हिंदुत्व है जिसने मुहम्मद रसूल के परिवार वालों को तब शरण दी जब अरब के खलीफा उनके प्राण लेने पर तुले थे। इस अशरण शरण के कारण हिन्दू राजा दाहिर को अपना राज्य और यहाँ तक कि अपने प्राण भी गँवाने पड़े। ये वही हिंदुत्व है जिसने अत्यंत पिछड़े अल्पसंख्यकों को भी अपने संख्या बल से दबाने या धर्मान्तरण कराने का कभी प्रयास नहीं किया क्योंकि यह उसके संस्कारों में है ही नहीं। जबकि पाकिस्तान और बांग्लादेश में हिन्दू अल्पसंखकों पर हो रहे अत्याचार तो सर्वविदित हैं।

हिंदुत्व से आशय उस भारतीय जीवन पद्धति से है जिसमें वसुधैव कुटुम्बकम की भावना और प्राणी मात्र पर दया करने का संस्कार समाहित है। बाबा साहब अंबेडकर कहा करते थे कि इस्लाम का भाईचारा केवल मुसलमानों का भाईचारा है उसमें गैर मुस्लिम के लिए कोई स्थान नहीं है। किन्तु हिन्दुओं का बंधुत्व तो विश्वबंधुत्व है इसमें धर्म देखकर प्रेम या नफरत करने का कोई उपदेश है ही नहीं।

आज पुनः ऐसा लगाने लगा है कि हिंदुत्व के विरोध में जो लड़ाई मुस्लिम लीग के माध्यम से लड़ी जा रही थी वही लड़ाई अब कांग्रेस के माध्यम से लड़ी जाने लगी है जबकि कांग्रेस के हिन्दू नेता भी इस प्रकार की तुलना से आहत होंगे। भारत में ऐसे कथित बुद्धिजीवियों की कमी नहीं है जो अल्लामा इकबाल और जिन्ना जैसों को हीरो बनाकर हिन्दू संस्कृति पर सतत आक्रमण जारी रखाना चाहते हैं। कट्टरपंथी कलाकारों, नेताओं और बुद्धिजीवियों की एक गैंग है जो भारत में हिंदुत्व को मिटाकर, उसे विवादित बनाकर इस्लाम की श्रेष्ठता स्थापित करना चाहती है। यह गैंग भारत की एकता, अखंडता और भ्रातश्त्व भावना को मिटाना चाहती है। ये लोग हिंदुत्व पर विवादित टिप्पणियाँ कर देश में बहुसंख्यक समुदाय को उकसाने का कम कर रहे हैं। हिंदुत्व का सौन्दर्य, संस्कार और सहिष्णुता कितनी महान है कि उसके मध्य में रहने वाले अल्पसंख्यकों को उसकी निंदा और अपमान करने से भय नहीं लगता। हिन्दुओं के इस धैर्य की तुलना करने के लिए संसार में एक भी इस्लामिक संगठन का नाम नहीं सुझा सकते आप।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

जंबूरी उद्घोषणा: जनजातीय राजनीति के बदलाव का शंखनाद

–डॉ अजय खेमरिया–

'जिस तरह देश महात्मा गांधी,सरदार पटेल और बाबा साहब की जयन्तियां मनाता है ठीक वैसे ही हर साल 15 नबंवर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती भी जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाई जाएगी।'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस वक्तव्य के गहरे सांस्कृतिक एवं राजनीतिक निहितार्थ है।राजनीतिक रूप से यह देश की 11 करोड़ जनजातीय आबादी को भारतबोध के साथ जोड़ने के साथ भाजपा के भविष्य के राजनीतिक दर्शन और लक्ष्य को भी स्पष्ट परिभाषित कर रहा है।भोपाल के जंबूरी मैदान में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस असल मायनों में एक नई संसदीय परिघटना की इबारत भी लिख गया है। यह मप्र की चुनावी राजनीति से इतर झारखंड,छत्तीसगढ़,गुजरात आंध्रप्रदेश,सहित पूर्वोत्तर के राज्यों में भी भाजपा के चुनावी लक्ष्य भी निर्धारित करने वाला घटनाक्रम है।प्रधानमंत्री के वक्तव्य का दूसरा सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है 'वनवासियों ने अयोध्या के राजकुमार को मर्यादा पुरुषोत्तम राम बना दिया' इसका बात का विराट सांस्कृतिक महत्व है क्योंकि संसदीय राजनीति में भाजपा राम को गर्व के साथ भारत के स्वत्व के साथ जोड़ती है और पिछले कुछ समय से वनवासियों को राम और हिन्दू धर्म से अलग सिद्ध करने की राजनीति भी चरम पर है।प्रधानमंत्री ने भारत के स्वतंत्रता समर के साथ जनजातीय नायकों की विस्मश्त कर दी गई भूमिका को जिस आक्रमकता के साथ जंबूरी मैदान पर उकेरा है उसके मायने भी विपक्ष के लिए निरुत्तर करने वाले हैं।क्योंकि संयुक्त विपक्ष प्रधानमंत्री के इस वक्तव्य पर इसलिए असहमति या कतिपय आरोप की राजनीति नही कर सकता है क्योंकि असंदिग्ध रूप से जनजातीय प्रतिनिधित्व के मामले में राष्ट्रीय आंदोलन की कथा में कहीं भी समानुपातिक भागीदारी आज नजर नही आती है।ध्यान से देखा जाए तो प्रधानमंत्री ने जम्बूरी में एक नया सामाजिक राजनीतिक एजेंडा भी सेट कर दिया है।इस एजेंडे में कुछ ऐसे सवाल है जो कांग्रेस समेत समूचे विपक्ष को परेशान कर सकते है।प्रधानमंत्री ने एक और अहम बात कही कि जिन लोगों ने जनजातीय गौरव को विस्मश्त किया है उसकी चर्चा सब जगह होना चाहिये। राजनीतिक मैदान और विमर्श नवीसी में जब यह सवाल उठेंगे कि स्वतंत्र सेनानियों की पेंशन लेनें वालों में कितने जनजाति है?बिरसा से लेकर भीमा नायक,रघुनाथ शाह,शंकर शाह जैसे नायक किस पाठ्यक्रम में है?कितने जनजतियो के हिस्से में भारत रत्न और पदम् पुरुस्कार है? इन सवालों के जबाब कांग्रेस को सीधे परेशान करने वाले है क्योंकि तुष्टीकरण और परिवारवाद के फेर में इस देश की जनजातियों के महानायक अन्याय का शिकार तो हुए ही है।जाहिर है किसान आंदोलन, असहिष्णुता, सीएए कोरोना विफलता जैसे नकली नैरेटिव से वातावरण खराब करने वालों को प्रधानमंत्री मोदी ने राजनीतिक रूप से अपने परम्परागत अंदाज में घेर लिया है।यह घेराबंदी अगले तीन सालों में होने वाले 9 राज्यों के विधानसभा एवं लोकसभा चुनाव के लिए विपक्ष को खासी परेशान करने वाली होगी। भोपाल में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतश्त्व में आयोजित इस गौरव दिवस ने भाजपा के समावेशी संस्करण को सामने लाने का काम किया।प्रधानमंत्री के मंच पर मप्र कोटे से केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते,प्रदेश सरकार के मंत्री बिसाहूलाल सिंह, विजय शाह, मीना सिंह,के अलावा सांसद गजेंद्र सिंह, दुर्गा दास उईके, हिमाद्री सिंह,संपतिया उईके, प्रो सुमेर सिंह सोलंकी, और पूर्व विधायक कुल सिंह भाबर मौजूद थे।इसका प्रतीकात्मक महत्व भी इसलिए भी है क्योंकि भाजपा पर दलित और जनजातीय विरोधी होने का आरोप लगाया जाता है जबकि प्रतिनिधित्व के नजरिये से देखा जाए तो भाजपा ही ऐसा दल है जहां पिछले डेढ़ दशक से इन वर्गों के सर्वाधिक प्रतिनिधि चुनकर आ रहे है।जंबूरी के मंच का एक प्रतीक भाजपा का प्रामाणिक जबाबी हमला भी है उस कांग्रेस की तरफ जो दशकों तक इस वर्ग को वोटबैंक की तरह उपयोग करती रही है।हाल ही में जोबट के उपचुनाव का नतीजा भी मप्र में जनजातीय राजनीति के प्रति भाजपा की दीर्घकालिक राजनीति का संकेत देता है जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने जंबूरी के मंच से समझाने का प्रयास किया है।तो बड़ा सवाल यह कि जनजातीय गौरव दिवस के साथ भाजपा ने जिस नई जंबो लकीर को जंबूरी मैदान से राजनीतिक एवं सांस्कृतिक रूप से खींचा है वह संसदीय राजनीति में विपक्ष के लिए वाकई बड़ी चुनौती है या नही?वस्तुतः प्रधानमंत्री मोदी भारत की परंपरागत राजनीतिक प्रस्थापनाओं और अवधारणाओं को बदलने में सिद्धहस्त है। अल्पसंख्यकवाद हो या भारत की दलित,पिछड़ी राजनीति की थियरी।भाजपा ने एक एक लंबी राजनीतिक परियोजना के तहत इन सबको नए आयाम पर अपने पक्ष में खड़ा कर दिया है।कमोबेश अब जनजातीय राजनीति की इबारत को भी इसी तर्ज पर पूरी प्रामाणिकता के साथ बदलने की जमीनी शुरुआत हो चुकी है।मप्र के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जिस व्यवस्थित तरीके से जनजातीय सम्मेलन को आयोजित किया है उसके दीर्घकालिक राजनीतिक नतीजे भी स्वयंसिद्ध है।हबीबगंज रेलवे स्टेशन को गोंड रानी कमलापति के नाम पर किया जाना प्रतीकों की राजनीति का श्रेष्ठतम उदाहरण है।दिग्विजयसिंह का यह कहना कि यह काम हम भी करना चाहते थे।इस बात को साबित करता है कि जनजातीय राजनीति की धुरी अब कहाँ खड़ी हुई है।प्रधानमंत्री का यह कहना कि जनजातीय इतिहास को छिपाया गया है और कांग्रेस की सरकारों ने उचित सम्मान न देकर अपराध किया है।इस बयान की चोट सीधी विपक्ष पर जाती है।भगवान बिरसा मुंडा को गांधी,पटेल और अम्बेडकर के साथ खड़ा करके प्रधानमंत्री ने साफ संकेत कर दिया है कि देश की 10 फीसदी आबादी वाला जनजातीय वर्ग भाजपा की सर्वोच्च प्राथमिकता पर है।सबसे अहम बात यह कि जनजातीय समाज के साथ भगवान राम को निर्णायक शक्ल में जोड़ने की शुरुआत इस जंबूरी समागम ने कर दी है। इस बात ने जनजातीय समाज को अंतर्मन से स्पंदित किया है।राम और जनजातीय का यह युग्म मिशनरीज केंद्रित अलगाव की राजनीति के लिए बड़ा झटका साबित होने वाला है क्योंकि इस बात से कोई इनकार नही कर सकता है कि संगठन के स्तर पर इस समय भाजपा और उसके समविचारी मैदानी कार्यकर्ताओं का कोई भी मुकाबला अन्य दल नहीं कर सकते है। इसलिए जब जंबूरी का उद्घोष मैदान पर क्रियान्वित होगा तब जनजातीय राजनीति का बदलना भी तय ही है। सोमवार को राजधानी में जनजातीय गौरव दिवस की शुरुआत का अवसर देश की सियासत को नए संकेत दे गया। सच्चाई तो यह है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जंबूरी समागम को सामाजिक राजनीतिक परिवर्तन की नई मुहिम से जोड़ दिया। वर्षों से उपेक्षित आदिवासी समाज को संबल, सहयोग और सम्मान देकर स्पष्ट कर दिया कि इस समाज के साथ नाइंसाफी अब नहीं चलने वाली।प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह के एक–एक शब्द बता रहे थे कि भाजपा के साथ जनजातीय समाज का भविष्य का रिश्ता क्या होने वाला है। जाहिर है इसके सियासी मायने तो निकाले ही जाएंगे।बदलाव का अंदाज इस बात से लगाया जा सकता है कि जबलपुर में आयोजित कांग्रेस के जनजातीय सम्मेलन में बमुश्किल एक हजार जनजाति वर्ग के लोग जुटे जिसके चलते पूर्व सीएम कमलनाथ को पांच मिनिट में ही वहां से रवानगी डालनी पड़ी।ग्वालियर के समारोह में एक भी जनजातीय व्यक्ति नही आया। संकेत साफ है भाजपा, मोदी और शिवराज ने जनजातीय राजनीति के परंपरागत लिबास को उतार दिया है जो अब नये संस्करण में राममय होगी।

फाइलेरिया उन्मूलन में सभी का सहयोग जरूरी रू डॉ. सुदेश

एम्बेड परियोजना के सामुदायिक स्वयंसेवकों का मच्छर जनित रोगों पर उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित

अवध की आवाज ब्यूरो

लखनऊ। जिला समन्वय समिति के सहयोग से फेमिली हेल्थ इंडिया के तत्वावधान में संचालित एम्बेड परियोजना के सामुदायिक स्वयं सेवकों का मच्छर जनित रोगों पर ऑनलाइन उन्मुखीकरण कार्यक्रम बुधवार को आयोजित किया गया ।

राज्य फाइलेरिया अधिकारी डा. सुदेश कुमार ने बताया कि आगामी 22 नवंबर से फाइलेरिया उन्मूलन अभियान के तहत मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एमडीए) कार्यक्रम शुरू होने जा रहा है। अभियान की सफलता के लिए सभी का सहयोग जरूरी है द्य इस अभियान के तहत एलबेंडाजोल और डाईइथाईल कार्बामजीन की गोली एएनएम, आशा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा घर–घर जाकर लोगों को खिलाई जाएगी। दो साल से कम आयु के बच्चों, गर्भवती और गंभीर रोग से पीड़ित व्यक्तियों को इस दवा का सेवन नहीं करना है । खाली पेट भी दवा नहीं खाना है।

राज्य कीट वैज्ञानिक डा0 विपिन कुमार ने कहा– सभी के समन्वित प्रयासों से ही मच्छर जनित इन बीमारियों से बचा जा सकता है द्य उन्होंने कहा कि किसी भी दशा में घरों के आस–पास पानी जमा न होने दें।

वरिष्ठ मण्डल कीट वैज्ञानिक डा0 मानवेन्द्र त्रिपाठी ने डेंगू एवं जीका फैलाने वाले सुनहरे रंग धारीदार मच्छर की पहचान बताई द्य उन्होने बताया कि डेंगू और जीका के लिए जिम्मेदार वायरस अलग–अलग हैं और अभी तक इन बीमारियों से बचने के लिए कोई वैक्सीन नहीं है। इसलिए मच्छरों से बचाव करके ही इन बीमारियों से सुरक्षित रहा जा सकता है। उन्होंने बताया कि यह जानकारी बहुत कम लोगों को होती है कि डेंगू, मलेरिया, फाइलेरिया एवं जीका के लिए एक प्रजाति के एडीज मच्छर जिम्मेदार हैं और एडीज मच्छर केवल दिन के समय में काटता है। इसलिए सुबह – शाम पूरी आस्तीन के कपडें अवश्य पहने और मच्छर रोधी साधनों का उपयोग करें एवं इनके पनपने वाले स्थलों को नष्ट करते रहें।

इस अवसर पर राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डा. के.पी.त्रिपाठी ने कहा– डेंगू और जीका दोनों ही मच्छर जनित बीमारियाँ हैं। इसलिए समुदाय में लोगों को मच्छरजनित बीमारियाँ न उत्पन्न होने देने और इनसे बचाव के लिए जागरूक करें। जीका वायरस से बचने के लिए तीन बातें ध्यान में रखें – मच्छरदानी में सोएं व मच्छर रोधी रेपेलेंट का प्रयोग करें, बुखार और सिर दर्द को हल्के में न लें और प्रशिक्षित चिकित्सक को अवश्य दिखाएं, स्किन पर चकते दिखें तो अलर्ट हो जाएं द्य 22 नवंबर से शुरू होने वाले फाइलेरिया उन्मूलन अभियान में अपना योगदान देकर अभियान को सफल बनाएं। उन्होने एम्बेड के सामुदायिक व्यवहार परिवर्तन सुगमकर्ताओं एवं सामुदायिक स्वयंसेवकों का समुदाय में समुचित जानकारी देने का आह्वान किया। एम्बेड समन्वयक धर्मेन्द्र त्रिपाठी ने स्लोगन –हमारा संकल्प, डेंगू से मुक्ति, एक खुराक खायेंगे, फाइलेरिया को भगाएंगे एवं हर रविवार मच्छरों पर वार के माध्यम से अपनी बात कही। उन्होंने इस संबंध में क्या करें, क्या न करें एवं डेंगू/जीका वायरस फैलाने वाले मच्छर कहाँ पनपते हैं के बारे में जानकारी दी।

यूनिसेफ के प्रतिनिधि डा0 सुजीत सिंह ने कोविड टीकाकरण पर विशेष बल दिया।

कार्यक्रम के अंत में काम्युनिटी स्वयं सेवकों और व्यवहार परिवर्तन संचार सुगमकर्ताओं द्वारा सवाल पूछे गये द्य इनमें प्रमुख सवाल इस तरह रहे, जैसे– जीका और डेंगू में क्या अन्तर है,

–कैसे करें लोगों में जीका, डेंगू एवं मलेरिया की पहचान।

–कैसे करें बचाव।

इन सभी सवालों का जवाब संचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. के.पी.त्रिपाठी ने दिए। इस मौके पर जिला स्वास्थ्य शिक्षा एवं सूचना अधिकारी योगेश रघुवंशी ने सभी का धन्यवाद करते हुए डिस्ट्रिक्ट कमांड सेन्टर 0522–4523000 एवं हेल्पलाइन सेवा न0 0522–3515700 की जानकारी दी।

इस अवसर पर स्वयंसेवी संस्था प्रोजेक्ट कंसर्न इंटरनेशनल (पीसीआई) के ध्रुव सिंह, एम्बेड एम0आई0एस0 से हर्ष यादव, शशी, शालिनी अर्चना, हेमलता, शैलजा, शहीन फातिमा, पवन यादव, ज्योति गुप्ता, नेहा लोहानी, अनुष्का शुक्ला, रितु दिवाकर, राजेश मिश्र, रंजना सिंह, नफीसा बानो सहित स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

वैध शराब का कारोबार चरम सीमा पर पुष्पित व पल्लवित

पुलिस प्रशासन के लाख प्रयास के बावजूद नहीं रुक रहा है अवैध शराब का कारोबार ..

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। थाना मोतीगंज क्षेत्र में एक बार फिर अवैध शराब का कारोबार चरम सीमा पर चल रहा है। चौकी वा थाना क्षेत्र में अवैध शराब खुलेआम बिक रही है। समाज में कानून व्यवस्था पर प्रश्न चिन्ह लग रहा है। खुलेआम हो रही अवैध शराब की बिक्री से जहां गांवों का महौल खराब हो रहा हैं, वहीं युवा पीढ़ी भी नशे की लत के आदी होते जा रहे हैं। जिससें कई ऐसे परिवार है, जो उजडने की कगार पर है। क्षेत्र में जिस प्रकार से बेधड़क अवैध शराब बेची जा रही है, इससे ऐसा प्रतीत होता है कि मानों पुलिस की सरपरस्ती में यहां अवैध शराब बेची जा रही है। यहां के पुलिस का जरा सा भी भय नहीं है। यहां क्षेत्र का कोई भी जागरूक व्यक्ति भी अवैध शराब की धरपकड़ पुलिसिया कार्रवाई पर दावे के साथ सवाल उठा सकता है। बताया जाता है कि यहां शराब की पैकारी का करोबार तो अर्से से चल रहा है। जबकि चौकी से यह गांव काफी नजदीक है। जिस प्रकार से क्षेत्र में अवैध शराब फल–फूल रहे है। यह कई सवालों को जन्म देता है। तमाम नियम कायदों के बावजूद जिले की आबकारी महकमा व पुलिस से कोरी कृपा से नही बल्कि मोटी चढ़ोत्तरी के दम पर चल रहा है। चाहे जो भी हो ऐसे मामलों में क्षेत्रिय जनप्रतिनिधि सहित कई बड़े नेता सब चुप्पी साधे है। शराब के अवैध कारोबार का फलना–फूलना इस बात का भी संकेत है कि माफियाओं समेत छुटभैये तस्करों के मन में कानून का कोई भय नहीं रहा। शराब की अवैध बिक्री और पियक्कड़धें की बढ़ती फौज से गांव–गांव का माहौल अराजक हो रहा है। युवा पीढ़ी बर्बादी के पथ पर अग्रसर हो रही है।

अटरिया के अंतर्गत ग्राम पंचायत कसावा में बने गौशाला के अंदर गाय तड़प तड़प कर अपना दम तोड़ रही है।

अवध की आवाज ब्यूरो

सिधौली/सीतापुर। जनपद सीतापुर के विधानसभा सिधौली के क्षेत्र थाना अटरिया के अंतर्गत ग्राम पंचायत कसावा में बने गौशाला के अंदर गाय तड़प तड़प कर अपना दम तोड़ रही है। लेकिन यहां पर कोई भी कर्मचारी मौके पर उपस्थित नहीं है देखना यह है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा इस गौशाला पर क्या कार्यवाई होती है यदि इसी तरीके से गाय तड़प तड़प कर गौशाला के अंदर दम तोड़ती रहेंगी तो इसका जिम्मेदार कौन होगा।

मनकापुर आबकारी टीम की कार्यवाही, भारी मात्रा में लहन व उपकरण बरामद, एफआईआर दर्ज

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। डीएम मार्कण्डेय शाही के निर्देशन में आबकारी टीम मनकापुर द्वारा थाना मनकापुर अंतर्गत भरहू भट्ठा व थाना मोतीगंज के केवलपुरा से लगभग 42 लीटर कच्ची शराब व भारी मात्रा में शराब बनाने के उपकरण बरामद व लगभग 3 कुंतल लहन नष्ट कर अवैध शराब का कारोबार करने वाले व्यक्तियों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज कराई गई है। बुधवार को डीएम द्वारा अवैध कच्ची शराब के विरुद्ध दिए गए आदेश आबकारी निरीक्षक क्षेत्र–2 मनकापुर, क्षेत्र–3 तरबगंज व प्रवर्तन देवीपाटन प्रभार की टीम द्वारा थाना मनकापुर के भरहू भट्ठा व थाना मोतीगंज के केवलपुरा में दबिश दी गई। दबिश के दौरान में भरहू भट्ठा से लगभग 12 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की गई एवं लगभग एक कुंतल लहन मौके पर नष्ट किया गया। वहीं अवैध शराब का काम करने वाले दो लोगों के विरूद्ध आबकारी अधिनियम के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया है। आबकारी निरीक्षक मनकापुर सतेन्द्र सिंह ने बताया कि केवलपुरा में दबिश के दौरान लगभग दो कुंतल लहन मौके पर नष्ट की गई व लगभग 30 लीटर कच्ची शराब बरामद की गई तथा भारी मात्रा में शराब बनाने के उपकरण भी बरामद किए गए। इस मामले में भी अभियुक्तों के विरूद्ध आबकारी अधिनियम के अंतर्गत एफआईआर दर्ज की गई है।

हिंदू युवा वाहिनी की मासिक बैठक का आयोजन किया गया

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। हिंदू युवा वाहिनी झंझरी ब्लॉक की मासिक बैठक का आयोजन बाबा जागेश्वर नाथ मंदिर काजी देवर आयोजित की गई जिस के मुख्य अतिथि लोकप्रिय जिला अध्यक्ष माननीय श्री शारदा कांत पांडे जी रहे कार्यक्रम का संचालन प्रभारी पवन कुमार शुक्ल जी ने किया कार्यक्रम में काजी देवर न्याय पंचायत की समीक्षा के साथ स्थानीय लोगों की समस्याओं को सुना गया तथा उनसे समस्याओं के त्वरित निस्तारण करवाने तथा हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया गया इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष शौलेंद्र विक्रम सिंह जी जिला महामंत्री बब्बू दुबे जी झंझरी ब्लॉक उपाध्यक्ष नाथूराम चौधरी पंकज मिश्रा विकास दुबे शत्रुघ्न मिश्रा सहित सैकड़ों कार्यकर्ता समस्त एवं पदाधिकार उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा ने रिजर्व पुलिस लाइन गोंडा मे किया सैनिक सम्मेलन/अपराध गोष्ठी, अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करने के दिए निर्देश

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। अपराध गोष्ठी के दौरान आगामी विधानसभा चुनाव के दृष्टिगत जनपद में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के दिए कड़े निर्देश–दिनांक 17.11.2021 को पुलिस अधीक्षक गोंडा संतोष कुमार मिश्रा ने रिजर्व पुलिस लाइन सभागार में सैनिक सम्मेलन/अपराध गोष्ठी की। सम्मेलन के दौरान जनपद के समस्त थानों एवं विभिन्न प्रकोष्ठो से आए हुए पुलिस कर्मियों से उनका परिचय प्राप्त कर उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी की एवं उनके निराकरण हेतु संबंधित को निर्देशित किया। इसके साथ ही समस्त थाना प्रभारियों को थाने के स्टाफ की रहने–खाने की सुविधाओं के दृष्टिगत मेस की साफ–सफाई रखने व आवासीय व्यवस्था सुदृढ बनाने के लिये भी निर्देशित किया। तत्पश्चात अपराध गोष्ठी की जिसका मुख्य विषय कानून व्यवस्था व अपराध नियंत्रण रहा,जनपद में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए क्षेत्र में लगातार भ्रमणशील रहने के लिए समस्त क्षेत्राधिकारी, प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षों को निर्देशित किया। पुलिस अधीक्षक द्वारा आगामी त्यौहार कार्तिक पूर्णिमा के संबंध में की गई तैयारियों की समीक्षा के साथ आगामी विधानसभा चुनाव 2022 के दृष्टिगत प्रस्तावित निरोधात्मक कार्यवाही व चुनाव को सकुशल सम्पन्न कराए जाने हेतु संवेदनशील मतदान केंद्रों को चिन्हित कर आवश्यक कार्यवाही किए जाने की समीक्षा की गई, इसके साथ ही अवैध कच्ची शराब के निर्माण, भंडारण, परिवहन, बिक्री पर प्रभावी नियंत्रण लगाने, चोरी, लूट व नकबजनी की घटनाओं की रोकथाम हेतु कस्बा व ग्रामीण इलाकों में रात्रि गश्त बढ़ाने, बैंक व लेनदेन वाले स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतने, संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ करने तथा प्रतिदिन बैंक ड्यूटी में जाने वाले कर्मचारियों को ड्यूटी के सम्बन्ध में ब्रीफ करने एवं सभी पुलिसकर्मियों को ड्यूटी के दौरान दृश्यता, गतिशीलता, सजगता एवं सतर्कता बनाये रखने, शस्त्र निरस्तीकरण की कार्यवाही किए जाने, गिरोहबंद अधिनियम के अंतर्गत वांछित अभियुक्तों की तत्काल गिरफ्तारी किए जाने, गिरोहबंद अधिनियम से संबंधित अभियुक्तों की चल–अचल संपत्ति को धारा 14(1) गिरोहबंद अधिनियम के अंतर्गत कुर्क कराए जाने की कार्यवाही, जिला बदर अपराधियों की गिरफ्तारी किए जाने, जिलाबदर का आदेश हुए अपराधियों को मुनादी कराकर तत्काल जिले से बाहर किए जाने हेतु निर्देशित किया। लंबित विवेचनाओं विशेषकर अनावरित अभियोगो के निस्तारण, वांछित अभियुक्तों, इनामिया, एनबीडब्ल्यू के विरूद्ध अभियान चलाकर गिरफ्तारी करने, यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए प्रभावी कार्यवाही करने का निर्देश दिया। महिलाओं के विरूद्ध होने वाले अपराधों पर प्रभावी कार्यवाही करने, मिशन शक्ति अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने के लिये थानो पर गठित एण्टीरोमियों टीमों की क्रियाशीलता निरंतर जारी रखने, आम जनमानस में सुरक्षा की भावना को बढ़ाने हेतु पैदल गश्त को और अधिक क्रियाशील करने का निर्देश दिया। महिला हेल्प डेस्क पर तैनात महिला पुलिसकर्मियों द्वारा पीड़ित महिला फरियादियों की समस्याओं को सहानुभूति पूर्वक सुनने तथा उनका तत्काल निस्तारण कराने, थाने पर प्रत्येक 15 दिन पर महिलाओं के साथ गोष्ठी कर मिशन शक्ति के बारे में जागरूक करने के निर्देश दिए। जनता द्वारा दिए गए शिकायती प्रार्थना पत्रों, लंबित जनशिकायतो एवं आईजीआरएस प्रार्थना पत्रों की गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण व आम जनता के साथ अच्छा बर्ताव करते हुए उनकी समस्याओं को सुनकर तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जनपद के समस्त क्षेत्राधिकारी, प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्ष, प्रतिसार निरीक्षक, यातायात प्रभारी,निरीक्षक प्रज्ञान शाखा प्रभारी व सैनिक सम्मेलन में आए हुए अन्य पुलिस अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक गोण्डा ने आगामी विधान सभा चुनाव के दृष्टिगत शस्त्र लाइसेंस विक्रेताओ के साथ की गोष्ठी, दिए आवश्यक दिशा निर्देशः–

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। बृहस्पतिवार को पुलिस अधीक्षक गोण्डा संतोष कुमार मिश्रा ने गोण्डा शहर क्षेत्र के लाइसेंसी शस्त्र विक्रेताओ के साथ गोष्ठी की। जिसमें सभी विक्रेताओं को अपना –अपना स्टाक रजिस्टर व बिक्री रजिस्टर को अद्यावधिक रखने के सम्बन्ध मे निर्देशित किया गया तथा यह भी हिदायत किया गया की किसी भी दशा में नियतन से अधिक कारतूस किसी को विक्रय नही किया जाय, लाइसेन्सी शस्त्र धारक के अलवा किसी अन्य व्यक्ति को कारतूसो की बिक्री न की जाए। पुलिस अधीक्षक ने क्षेत्राधिकारी सदर को निर्देशित किया कि प्रत्येक सप्ताह सभी शस्त्र लाइसेंस कि दुकानो की चेकिंग कराकर अभिलेखो का अवलोकन कराया जाए जिससे कोई भी शस्त्र विक्रेता नियम के विरूद्ध कारतूसो की बिक्री न कर सके साथ ही पुलिस अधीक्षक ने सभी प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षो को भी यह निर्देश दिए की अपने अपने थाना क्षेत्र के सभी शस्त्र धारको का भौतिक सत्यापन करते हुए यह जानकारी करें कि शस्त्र धारक ने कितना कारतूस क्रय किया व कितने कारतूसो का किस उद्देश्य से उपयोग किया तथा उसके पास वर्तमान में कितना खोखा कारतूस मौजूद है। जो शस्त्र धारक अधिक मात्रा में कारतूस क्रय किये है। उनके विवरण उपल्बध कराये जाने हेतु नोटिस जारी किये जाए। इस गोष्ठी में क्षेत्राधिकारी सदर लक्ष्मीकांत गौतम व शहर क्षेत्र के लाइसेंस शस्त्र विक्रेता मौजूद रहे।

पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा ने बैठक कर आइजीआरएस के संबंध में सर्किल वार की गोष्ठी

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। पुलिस अधीक्षक गोंडा संतोष कुमार मिश्रा ने आईजीआरएस प्रार्थना पत्रों के संबंध में सर्किल वार की गोष्ठी, लंबित आईजीआरएस प्रार्थना पत्रों के गुणवत्तापरक व समयबद्ध निस्तारण करने के दिए निर्देश–दिनांक 18–11–2021 को पुलिस अधीक्षक गोंडा संतोष कुमार मिश्रा ने पुलिस कार्यालय में आईजीआरएस/जनशिकायत शाखाकर्मियों के साथ गोष्ठी की। सर्किलवार लंबित आईजीआरएस प्रार्थना पत्रों की समीक्षा की तथा अधिक समय से लंबित आईजीआरएस प्रार्थना पत्रों के विलंब का कारण जाना। सभी को अभियान चलाकर लम्बित सभी आइजीआरएस प्रार्थना पत्रों के निस्तारण के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने निर्देशित किया कि भविष्य में जो भी ऑनलाइन/आइजीआरएस शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त होंगे उनको प्राथमिकता पर रखते हुए जांचकर्ता अधिकारी द्वारा मौके पर ही जाकर आवेदक की संतुष्टि को प्राथमिकता देते हुए समयबद्ध निस्तारण किया जाए। साथ ही पुलिस अधीक्षक ने क्षेत्राधिकारी सदर को अपने निकट पर्यवेक्षण में जनपद के समस्त आईजीआरएस/जनशिकायतों का शीघ्र व गुणवत्तापरक निस्तारण कराने का निर्देश भी दिया।

इस तरह मनाए कार्तिक पूर्णिमा होगी लाभ पंडित अशोक कुमार मिश्रा

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। विष्णु पुराण के अनुसार भगवान श्रीहरि ने कार्तिक पूर्णिमा की शाम मत्स्यावतार लिया था। इसलिए ये दिन विष्णुजी को समर्पित है तो चंद्रमा के साथ उनकी पूजा का भी विधान है। इस बाद कार्तिक पूर्णिमा 19 नवंबर शुक्रवार को पड़ रही है। इस दिन को त्रिपुरारी पूर्णिमा भी कहा गया है। मान्यता है कि इसी दिन भोलेनाथ ने त्रिपुरासुर राक्षस का वध किया, जिसकी खुशी में देवताओं ने दीप जलाकर खुशियां मनाई. तब से इसे देव दिवाली भी कहा जाता है. इस दिन पवित्र नदी में स्नान और दान से पुण्य मिलता है. वहीं इस दिन श्री हरि आदि की विशेष पूजा से सौभाग्य में बढ़ोतरी होती है. आइए जानते हैं स्नान, ध्यान और दान का मुहूर्त.

कार्तिक पूर्णिमा तिथि की शुरुआत – 18 नवम्बर 2021, दोपहर 12:00 बजे

कार्तिक पूर्णिमा तिथि खत्म – नवम्बर 19, 2021, 02:26 बजे

कार्तिक पूर्णिमा चंद्रमा निकलने का समय – 17:28:24

इस दिन मोतीगंज थाना क्षेत्र के राजगढ़ मनवर नदी पर एक बहुत बड़ा मेला लगता है। जहां हजारों की संख्या में लोग नदी में स्नान करते हैं और पूजा चढ़ावा भी करते हैं और अपनी मनोकामनाएं पूरी होने की कामना करते हैं इसमें महिला पुरुष बच्चे शामिल होते हैं। सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस भी तैनात रहती है जो 19 नवंबर को मनवर नदी पर मेला के रूप में लगता है और यहां काफी वर्षों से मेला लगता है। जहां दूरदराज से लोग आते हैं और मंदिर में पूजा करते हैं तथा नदी में स्नान करते हैं और मनोकामनाएं पूरी होने की कामना करते हैं।

छोटे तालाब में डूबने से दो भाइयों की मौत

बलिया (वेब वार्ता)। बलिया जिले के बैरिया थाना क्षेत्र में भुवाल गांव के एक पोखर (छोटे तालाब) में डूबने से दो चचेरे भाइयों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि भुवाल गांव में बुधवार दोपहर सत्यम (पांच) और उसका चचेरा भाई शिवम (छह) पोखर के किनारे खेल रहे थे, तभी दोनों असंतुलित होकर उसमें गिर गए। उसने बताया कि बच्चे जब देर तक नहीं दिखे, तो उनके परिजन ने उन्हें ढूंढना शुरू किया। कुछ देर बाद दोनों के शव पोखर में मिले। पुलिस मामले की जांच कर रही हैं।

अभिनेता सूर्या को दी गई पुलिस सुरक्षा, अम्मल को डोनेट किए 15 लाख रुपये

चेन्नई, (वेब वार्ता)। वन्नियार समुदाय का कथित रूप से अपमान करने वाली तमिल फिल्म जय भीम के मुद्दे पर पीएमके और अभिनेता सूर्या के बीच गतिरोध तेज होने के बीच तमिलनाडु सरकार ने मंगलवार को अभिनेता सूर्या को पुलिस सुरक्षा प्रदान की। मंगलवार

की देर रात, तमिलनाडु पुलिस ने अभिनेता और उनके परिवार को सुरक्षा प्रदान करने के लिए शहर के त्यागराय नगर में अभिनेता के आवास पर पांच सशस्त्र पुलिस कर्मियों के एक समूह को तैनात किया। इस बीच, अभिनेता सूर्या ने पार्वथीय अम्मल को 15 लाख रुपये दिए, जिनके जीवन पर फिल्म आधारित है। पार्वथीय अम्मल मंगलवार शाम को सूर्या से उनके आवास पर मिलीं, उनके साथ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के नेता भी थे। उनके साथ राज्य सचिव के बालकृष्णन और पार्टी सदस्य गोविंदन भी थे, जो पार्वथीय अम्मल को न्याय दिलाने के लिए शुरु से ही संघर्ष में उनके साथ खड़े है। पार्वथीय अम्मल के नाम किए गए 15 लाख रुपये की डोनेशन में से सूर्या ने 10 लाख रुपये का योगदान दिया है, जबकि उनकी प्रोडक्शन फर्म 2डी एंटरटेनमेंट ने 5 लाख रुपये का योगदान दिया है।

अप्रैल 2023 में रिलीज होगी आहिद कपूर की फिल्म बुल

मुंबई, (वेब वार्ता)। अभिनेता शाहिद कपूर की अगली फिल्म बुल 2023 रिलीज के लिए लॉक कर दी गई है। यह फिल्म 7 अप्रैल 2023 को बड़े पर्दे पर दस्तक देगी। नवोदित निर्देशक आदित्य निंबालकर द्वारा निर्देशित यह फिल्म 1980 के दशक पर आधारित है और वास्तविक जीवन की घटनाओं से

प्रेरित है। यह टी–सीरीज और गिल्टी बाय एसोसिएशन के बीच पहला सह–उत्पादन है।

टी–सीरीज के प्रबंध निदेशक भूषण कुमार ने कहा कि बुल एक महत्वाकांक्षी परियोजना है और टी–सीरीज की सबसे बड़ी एक्शन फिल्मों में से एक है। हम इस रिलीज के साथ सिल्वर स्क्रीन के साथ दर्शकों के लंबे समय से चले आ रहे रोमांस को आश्वस्त करना जारी रखेंगे। बुल गुलशन कुमार और टी–सीरीज द्वारा प्रस्तुत की गई है। इस फिल्म का निर्देशन आदित्य निंबालकर द्वारा किया जा रहा है।

भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, अमर बुटाला और गरिमा मेहता द्वारा निर्मित यह फिल्म 2022 की शुरूआत में फ्लोर पर आने वाली है।

गिल्टी बाय एसोसिएशन (जीबीए) के निर्माता अमर बुटाला ने कहा कि बुल भूषण कुमार जी और शाहिद के साथ हमारे जुड़ाव की शुरूआत का प्रतीक है, जो फिल्म में एक नए एक्शन अवतार में दिखाई देंगे। हम बड़े पर्दे पर एक असाधारण प्रस्तुति देने की उम्मीद करते हैं।

गरिमा मेहता, निर्माता, गिल्टी बाय एसोसिएशन ने कहा कि बुल वर्दी में हमारे पुरुषों की वीरता से प्रेरित है। यह एक ही समय में सभी को रोमांचित और प्रेरित करेगी।

अमेरिका ने उत्तर कोरिया को धार्मिक स्वतंत्रता के उल्लंघनकर्ता के रूप में नामित किया

वॉशिंगटन, (वेब वार्ता)। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि अमेरिका ने उत्तर कोरिया को धार्मिक स्वतंत्रता के राज्य उल्लंघनकर्ता के रूप में नामित किया है। योनहाप समाचार

एजेंसी ने बुधवार को एक बयान में ब्लिंकन के हवाले से कहा, उत्तर कोरिया उन 10 देशों में से एक है जिसे विशेष चिंताजन देश के रूप में नामित किया गया है। उन्होंने कहा कि मैं बर्मा, पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना, इरिट्रिया, ईरान, डीपीआरके, पाकिस्तान, रूस, सऊदी अरब, ताजिकिस्तान और तुर्कमेनिस्तान को विशेष चिंताजन देशों के रूप में नामित कर रहा हूं, जो व्यवस्थित, चल रहे हैं लेकिन धार्मिक स्वतंत्रता का गंभीर उल्लंघन कर रहे हैं। डीपीआरके का मतलब डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया है, जो उत्तर कोरिया का आधिकारिक नाम है। यह लगातार 20वां वर्ष है जब उत्तर को धार्मिक स्वतंत्रता के राज्य उल्लंघनकर्ता के रूप में नामित किया गया है। ब्लिंकन ने धार्मिक स्वतंत्रता के लिए संरचनात्मक, व्यवस्थित और गहरी जड़ों से जुड़ी चुनौतियों को समाप्त करने के लिए प्रयास करने को कहा, साथ ही अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से भी ऐसा करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आज भी दुनिया में धार्मिक स्वतंत्रता के लिए चुनौतियाँ संरचनात्मक, व्यवस्थित और गहराई तक समाई हुई हैं। धार्मिक स्वतंत्रता के 10 राज्य उल्लंघनकर्ताओं के साथ, ब्लिंकन ने यमन में हाउति मिलिशिया और इस्लामिक स्टेट (आईएस) आतंकवादी समूह सहित नौ गैर–राज्य अभिनेताओं को भी विशेष चिंताजनक संस्थाओं के रूप में नामित किया, जबकि अल्जीरिया, कोमोरोस, क्यूबा और निकारागुआ को धार्मिक स्वतंत्रता के गंभीर उल्लंघन में लिप्त और सहन करने वाले देशों के लिए एक विशेष निगरानी सूची में रखा है।

प्रसार भारती बढ़ रहा डायरेक्ट-टू-मोबाइल प्रसारण की ओर, स्मार्टफोन पर मिलेगी सामग्री

मुंबई, (वेब वार्ता)। प्रसार भारती ने डायरेक्ट–टू–मोबाइल प्रसारण की व्यवहार्यता पर काम करने के लिए आईआईटी–कानपुर के साथ समझौता किया है। प्रसार भारती के सीईओ शशि शेखर वेम्पति ने बुधवार को कहा कि एक पायलट प्रोजेक्ट चल रहा है। यह प्रयास सफल रहा तो लोग निकट भविष्य में स्मार्टफोन पर प्रसारण सामग्री प्राप्त करने में सक्षम होंगे। 10वें सीआईआई बिग पिक्चर समिट की ऑनलाइन लाइवस्ट्रीम के दौरान वेम्पति ने अपने मुख्य भाषण में कहा, आईपीएल जैसे बेशुमार दर्शकों वाले आयोजन के समय लाखों उपयोगकर्ताओं तक उस सामग्री को पहुंचाने की जरूरत है। इंटरनेट के माध्यम से यूनिकास्ट मोड पर सभी सामग्री सीधे लोगों के स्मार्टफोन या स्मार्ट टीवी पर पहुंचाई जा सकती है। सीईओ ने बताया कि डिजिटलीकरण उन प्रमुख परिवर्तनों में से एक है, जिसने पिछले तीन या चार वर्षों में सार्वजनिक प्रसारण को आसान बनाया है। उन्होंने कहा, व्यावहारिक रूप से हर दूरदर्शन चौनल और ऑल इंडिया रेडियो स्टेशन में अब कई प्लेटफार्मों पर डिजिटल माध्यम हैं, चाहे वह लाइवस्ट्रीमिंग के लिए यूट्यूब हो या दर्शकों के साथ सीधे जुड़ने के लिए सोशल मीडिया हो। उन्होंने कहा, प्रसार भारती ऐप भी है, जिसमें 200–प्लस रेडियो स्ट्रीम हैं। कोई भी दुनिया में कहीं भी हो, अपने गश्हनगर रेडियो स्टेशन के कार्यक्रमों को सुन सकता है। सीआईआई अवसरों पर चर्चा करने और चुनौतियों का समाधान करने के लिए हर साल बिग पिक्चर समिट का आयोजन करता है। इस वर्ष की थीम है : सामग्री, रचनात्मकता और नवाचार की नई ऊंचाइयों को बढ़ाना। शिखर सम्मेलन का प्राथमिक उद्देश्य वैश्विक रुझानों और अवसरों, व्यापक आर्थिक अशांति के कारण राजस्व में नरमी, घरेलू उपभोक्ता प्राथमिकताओं को समझना और वैश्विक दर्शकों के लिए स्थानीय अवसरों पर बढ़ते फोकस पर चर्चा करना है।

लोकतांत्रिक देश सुनिश्चित करें कि क्रिप्टो-करेंसी गलत हाथों में ना जाए: प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बश्हस्पतिवार को सभी लोकतांत्रिक देशों से, साथ मिलकर यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि क्रिप्टो–करेंसी गलत हाथों में ना जाए, अन्यथा युवाओं का भविष्य बर्बाद हो सकता है। प्रधानमंत्री ने ऑस्ट्रेलिया की ओर से आयोजित "सिडनी संवाद" को डिजिटल माध्यम से संबोधित करते हुए डाटा को इस युग के लिए सबसे महत्वपूर्ण बताया और कहा कि भारत ने इसकी सुरक्षा एवं निजता की रक्षा के लिए मजबूत ढांचा विकसित किया है और वह इसका इस्तेमाल लोगों के सशक्तीकरण के स्रोत के रूप में करता है।

उन्होंने कहा कि डिजिटल युग ने राजनीति, अर्थव्यवस्था और समाज को पुनर्भाषित किया है और यह सार्वभौमिकता, शासन, नीति, कानूनों, अधिकारों और सुरक्षा को लेकर नए सवाल भी खड़े कर रहा है। उन्होंने कहा, "यह अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा, ताकत और नेतृत्व को भी पुनर्भाषित कर रहा है। इसने प्रगति और समृद्धि के नए अवसर भी पैदा किये हैं।"

प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच रणनीतिक साझेदारी को क्षेत्र एवं दुनिया के लिए एक कल्याणकारी ताकत बताया।

उन्होंने डिजिटल युग में डाटा को सबसे महत्वपूर्ण बताते हुए कहा, "भारत में हमने डाटा सुरक्षा, निजता और सुरक्षा के लिए एक मजबूत ढांचा तैयार किया है। साथ ही साथ हम इसका उपयोग लोगों के सशक्तीकरण के स्रोत के रूप में कर रहे हैं। मोदी ने कहा कि कोई देश प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कैसे करता है, यह उसके मूल्यों और दृष्टि पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा, "भारत की लोकतांत्रिक परंपराएं पुरानी हैं, इसकी आधुनिक संस्थाएं मजबूत हैं। हमने हमेशा से पूरे विश्व को एक परिवार माना है। भारत की आईटी प्रतिभा ने वैश्विक डिजिटल अर्थव्यवस्था निर्मित करने में भूमिका निभाई है। इसने वाई2के (कंप्यूटर संचार तंत्र को प्रभावित करने वाला एक तरह का वायरस) समस्या के समाधान में मदद की है। दैनिक जीवन में प्रौद्योगिकी और सेवा के अभ्युदय में भी योगदान दिया है। आज हम कोविन प्लेटफार्म दुनिया को मुफ्त में मुहैया करा रहे हैं और इसके सॉफ्टवेयर को सबके लिए हमने उपलब्ध कराया है।"

उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल से जनहित के लिए नीति, समावेशी विकास और सामाजिक सशक्तीकरण के क्षेत्र में भारत के व्यापक अनुभव का लाभ विकासशील विश्व को मिल सकता है।

प्रधानमंत्री ने लोकतांत्रिक आदर्शों और मूल्यों को परिलक्षित करने वाली दुनिया के निर्माण तथा देशों की सुरक्षा व समश्द्धि के लिए इसे अहम बताया और सुझाव दिया कि भारत के इस अनुभव से विश्व के देशों व उसके लोगों को सशक्त करने तथा उन्हें इस शताब्दी के अवसरों के लिए तैयार करने के उद्देश्य से, एक साथ काम किया जा सकता है। उन्होंने कहा, "यह जरूरी है कि लोकतांत्रिक देश एक साथ काम करें। भविष्य की प्रौद्योगिकी में शोध व विकास के लिए साथ–साथ निवेश करें, विनिर्माण और विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखला विकसित करें, साइबर सुरक्षा को लेकर खुफिया जानकारी और जमीनी सहयोग को गहरा करें, अपने लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप तकनीक और शासन के मानक नियम कायदे विकसित करें, डाटा की सुरक्षा और उसके सीमापार प्रवाह को रोकने के लिए एक मानक तय करें। प्रधानमंत्री ने कहा कि देशों के राष्ट्रीय अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए इसके जरिए व्यापक जनहित में व्यापार और निवेश को भी प्रोत्साहित किया जा सकता है। उन्होंने क्रिप्टो–करेंसी या बिटकॉइन का उदाहरण देते हुए कहा, "यह महत्वपूर्ण है कि सभी लोकतांत्रिक देश साथ काम करें और यह सुनिश्चित करें कि यह गलत हाथों में ना जाए, जो हमारे युवाओं को बर्बाद कर सकता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज का डिजिटल युग देशों की पसंद और नापसंद का ऐतिहासिक अवसर है और यह उन पर निर्भर करता है कि वे इसका उपयोग कैसे करते हैं। उन्होंने कहा, "हमें तय करना है कि हमारे युग के, प्रौद्योगिकी के सभी शानदार साधन सहयोग के लिए हैं या संघर्ष के लिए, बल द्वारा शासन के लिए हैं या पसंद के अनुरूप, प्रभुत्व के लिए हैं या विकास के लिए, दबाने के लिए हैं या अवसर के रूप में ?" उन्होंने कहा कि भारत, ऑस्ट्रेलिया और हिंद–प्रशांत क्षेत्र में या उससे परे सहयोगियों को समय की इस मांग को सुनना चाहिए और उन्हें अपनी जिम्मेदारियों के निर्वाह के लिए तैयार रहना चाहिए। मोदी ने उम्मीद जताई कि सिडनी डायलॉग का यह मंच इस युग में "हमारी साझेदारी को आकार देने और विश्व व हमारे देशों के भविष्य के प्रति हमारी जिम्मेदारी को पूरा करने में सहायता करेगा।" नई प्रौद्योगिकी को लेकर भारत के रुख का खाका पेश करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि देश अब दूरसंचार के क्षेत्र में 5जी और 6जी सहित विभिन्न क्षेत्रों में स्वदेशी क्षमताओं को विकसित करने के लिए निवेश कर रहा है। उन्होंने कहा कि आज भारत की 130 करोड़ आबादी की डिजिटल पहचान है, आज छह लाख गांवों को ब्रॉडबैंड संपर्क से जोड़ा जा रहा है, भुगतान के लिए दुनिया की सबसे प्रभावी तकनीक यूपीआई देश के पास है, 80 करोड़ भारतीय इंटरनेट का इस्तेमाल कर रहे हैं और 75 करोड़ लोग स्मार्टफोन का उपयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा, "आज हम प्रति व्यक्ति डाटा के सबसे बड़े ग्राहक हैं और हमारे यहां यह दुनिया में सबसे सस्ती दरों में से एक है। प्रधानमंत्री ने कहा कि डिजिटल और लोकतांत्रिक नेता के रूप में भारत साझा समश्द्धि और सुरक्षा के लिए सभी के साथ मिलकर काम करने को तैयार है। उन्होंने कहा, "भारत की डिजिटल क्रांति हमारे लोकतंत्र, जनसांख्यिकीय और हमारी अर्थव्यवस्था के आकार में निहित है। इसे हमारे युवाओं का नवोन्मेष और उनकी उद्यमिता मजबूत कर रहे हैं।

मेम्फिस शूटिंग के दैरान रैपर यंग डॉल्फ की हुई मौत

लॉस एंजिल्स, (वेब वार्ता)। रैपर यंग डॉल्फ का 36 वर्ष की आयु में मेम्फिस में एक शूटिंग को दौरान निधन हो गया। वह अपने 2020 एल्बम रिच स्लेव के लिए लोकप्रिय थे।

एपीए के एक प्रतिनिधि ने वैराइटी को दिए एक बयान में कहा कि एपीए के सभी प्रिय मित्र और ग्राहक, हमें यंग डॉल्फ के अचानक निधन से बहुत दुखी हैं।

दुनिया ने एक महान व्यक्ति और प्रिय कलाकार को खो दिया है। उनका समर्पण, ड्राइव, कड़ी मेहनत और उनके आस–पास के सभी लोगों के प्रति वफादारी हमेशा सबसे पहले आती है और उन्हें हमेशा बहुत याद किया जाएगा। हम इस सबसे कठिन समय में उनके परिवार के लिए प्रार्थना करते है। स्थानीय स्टेशन फॉक्स न्यूज 13 की रिपोर्ट वैराइटी डॉट कॉम की रिपोर्ट के मुताबिक, शूटिंग बुधवार दोपहर साउथ मेम्फिस में मकेडा के होममेड कुकीज में हो रही थी। स्टोर के मालिक ने

आउटलेट को बताया कि यंग डॉल्फ कुकीज खरीदने के लिए अंदर आए थे, जब किसी ने उन्हें गाड़ी से टक्कर मारने के बाद गोली मार दी और उन्हें मार डाला। यंग डॉल्फ, जिसका असली नाम एडॉल्फ रॉबर्ट थॉर्नटन, जूनियर था, उनका जन्म शिकागो में हुआ था, लेकिन कम उम्र में वे मेम्फिस चले गए। वह रैपर जूस राइट के चचेरे भाई थे, जिनकी 8 दिसंबर, 2019 को शिकागो के मिडवे इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर ड्रग ओवरडोज से 21 साल की उम्र में मौत हो गई थी।

पेट्रोल-डीजल की कीमत में 14वें दिन भी ठिकाव

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में जारी नरमी के बीच घरेलू स्तर पर सरकारी तेल विपणन कंपनियों ने आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों को स्थिर रखा, जिससे राजधानी दिल्ली में पेट्रोल और डीजल के दाम में लगातार चौदहवें दिन भी कोई बदलाव नहीं हुआ। केन्द्र सरकार द्वारा पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में क्रमशः पांच रुपये तथा 10 रुपये प्रति लीटर की कमी करने से देश में इसकी कीमतों में कमी आयी थी। इसके बाद उत्तर प्रदेश, कर्नाटक सहित देश के 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने इन दोनों उत्पादों पर मूल्य वर्धित कर (वैट) में कमी की है। इससे संबंधित राज्यों में इन दोनों पेट्रोलियम उत्पाद की कीमतों में और कमी आयी है। इसका असर आज भी पेट्रोल–डीजल की कीमतों पर बरकरार है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में गिरावट का सिलसिला जारी है। घरेलू बाजार में गुरुवार को 14वें दिन भी पेट्रोल और डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ। राजधानी दिल्ली में देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के पंप पर पेट्रोल की कीमत 103.97 रुपये प्रति लीटर और डीजल के दाम 86.67 रुपये प्रति लीटर पर टिके रहे। पेट्रोल–डीजल के मूल्यों की रोजाना समीक्षा होती है और उसके आधार पर हर दिन सुबह छह बजे से नई कीमतें लागू की जाती हैं।

बल्लेबाजी क्रम पर सूर्यकुमार ने कहा, भारतीय टीम के लिए लचीलापन दिखाने को तैयार

जयपुर, (वेब वार्ता)। सूर्यकुमार यादव ने बुधवार को यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में अपने पसंदीदा तीसरे स्थान पर बल्लेबाजी करते हुए सहज महसूस किया लेकिन उन्हें अच्छी तरह पता है कि अगले टी20 विश्व कप तक भारतीय टीम की जरूरतों को देखते हुए आगामी दिनों में उन्हें लचीलापन दिखाना होगा। सीमित ओवरों के क्रिकेट में भविष्य के स्टार माने जा रहे सूर्यकुमार ने पहले टी20 में 40 गेंद में 62 रन की पारी खेलकर भारत की पांच विकेट की जीत में अहम भूमिका निभाई। मुंबई का यह बल्लेबाज विराट कोहली की जगह तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरा। कोहली को इस श्रंखला से आराम दिया गया है। सूर्यकुमार ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए प्रभावित किया। सूर्यकुमार ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, "मैंने पारी का आगाज करने से लेकर सातवें स्थान तक बल्लेबाजी की है। बल्लेबाजी क्रम को लेकर मैं काफी लचीलापन दिखाता हूं। मैं अपनी फ्रेंचाइजी (आईपीएल टीम मुंबई इंडियन्स) के लिए पिछले तीन साल से तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी कर रहा हूं इसलिए मैंने अधिक अंतर महसूस नहीं किया। उन्होंने कहा, "मैंने उसी तरह बल्लेबाजी की जैसे मैं नेट पर बल्लेबाजी करता हूं। मैंने सभी वही शॉट खेले। मैं कुछ भी अलग करने का प्रयास नहीं करता। टी20 क्रिकेट लुत्फ उठाने के लिए है और मैं अपनी बल्लेबाजी से यही करने का प्रयास करता हूं। सूर्यकुमार हाल में संपन्न टी20 विश्व कप में छाप नहीं छोड़ पाए क्योंकि भारत ग्रुप चरण से ही बाहर हो गया। कोहली ने नामीबिया के खिलाफ अंतिम मैच में अनुभव के लिए सूर्यकुमार को अपने से ऊपर तीसरे नंबर पर भेजा और उन्होंने नाबाद 25 रन बनाए। सूर्यकुमार ने कहा, "जब मैं पीठ में जकड़न के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ नहीं खेल पाया तो काफी निराश था। मैं विश्व कप में छाप छोड़ना चाहता था जो नहीं कर पाया। उनका (कोहली) आभारी हूं। उन्होंने कहा, "जब मैंने पदार्पण किया था तो उसने अपनी जगह का

बलिदान करते हुए इंग्लैंड के खिलाफ मुझे तीसरे नंबर पर भेजा था और खुद चौथे नंबर पर बल्लेबाजी की थी। (विश्व कप के दौरान) उसने मेरे से पूछा कि क्या मैं बल्लेबाजी के लिए जाना चाहता हूं तो मैंने कहा क्यों नहीं। उस मैच में नाबाद लौटने का लुत्फ उठाया। पदार्पण कर रहे वेंकटेश अय्यर ने 20वें ओवर में महत्वपूर्ण चौका जड़ा लेकिन मैच में उन्होंने गेंदबाजी नहीं की। सूर्यकुमार ने कहा कि अय्यर को जल्द ही गेंदबाजी करते देखा जाएगा। उन्होंने कहा, "वह नेट सत्र में कड़ी मेहनत कर रहा है। पिछले दो सत्र में बल्लेबाजी से पहले उसने पारस सर के साथ काफी गेंदबाजी की थी और उसने रोहित से भी बात की। सूर्यकुमार ने कहा, "आप निश्चित तौर पर मैचों में उसे गेंदबाजी करते हुए देखोगे। आज रात उसके गेंदबाजी करने की जरूरत नहीं थी क्योंकि रोहित ने अपने सभी गेंदबाजों का काफी अच्छी तरह इस्तेमाल किया।

टीनएज लव स्टोरी गुप्त ज्ञान 18 नवंबर को होगी रिलीज

मुंबई, (वेब वार्ता)। लघु फिल्म गुप्त ज्ञान का ट्रेलर रिलीज हो गया है। इसमें फिल्म द फैमिली मैन अभिनेता अश्लेषा ठाकुर और विशेष बंसल की टीन एज लवस्टोरी नजर आने वाली है।

फिल्म 18 नवंबर को रिलीज हो रही है। समीक्षकों द्वारा प्रशंसित निर्देशक साकिब पंडोर द्वारा निर्देशित, यह फिल्म युवा प्रेम के विषय को दिखाती है, जो भ्रमित करने वाला और भावनात्मक चरण है जिससे किशोर गुजरते हैं। फिल्म के बारे में बात करते हुए, साकिब ने कहा कि जब रोमांटिक कहानियां दर्शकों के साथ सही तालमेल बिठाती हैं, तो उनमें अतिरिक्त उत्साह इस बात से आता है कि कैसे एक कहानी को स्पष्ट रूप से सुनाया जाता है। शॉर्ट फिल्म को मिनीटीवी पर रिलीज किया जाएगा, जो एमेजॉन शॉपिंग एप की फ्री वीडियो एंटरटेनमेंट सर्विस है।

तिलक कार्यक्रम में हर्ष फायरिंग, एक की मौत

इटावा (वेब वार्ता)। इटावा के जसवंतनगर के एक गांव में तिलक कार्यक्रम के दौरान हुई हर्ष फायरिंग में एक व्यक्ति की मौत हो गयी है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह ने बताया कि ग्राम नगला खूशाली में बुधवार देर शाम रामदास जाटव के बेटे सतीश के तिलक कार्यक्रम के दौरान बृजेश कुमार ने हर्ष फायरिंग कर दी और इसी दौरान 40 वर्षीय कमलेश को गोली लग गई। उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है और मामले की जांच आरंभ कर दी है।

उमा भारती ने योगी को अपना रिफाइंड वर्जन बताया

प्रयागराज,(वेब वार्ता)। मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की वरिष्ठ नेता उमा भारती ने कहा है कि यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उनका का एक बेहतर और रिफाइंड वर्जन हैं। बुधवार को प्रयागराज में एक समारोह से इतर पत्रकारों से बात करते हुए भारती ने कहा कि योगी आदित्यनाथ ने राज्य के समग्र विकास के लिए गहरी दिलचस्पी और समर्पण दिखाया है, और अपने प्रतिद्वंद्वियों को बहुत पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने न केवल खुद को साबित किया है, बल्कि राज्य के लोगों को अथक रूप से सेवा भी की है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह मेरे बेहतर और रिफाइंड वर्जन हैं। उन्होंने दावा किया कि भाजपा 2022 के राज्य विधानसभा चुनावों में सफलता की कहानी लिखेगी। उमा भारती ने यह भी कहा कि लोग परिवारवाद से तंग आ चुके हैं। चुनाव से पहले सक्रिय होने वाले नेताओं को कुछ नहीं मिलेगा। मुलायम सिंह यादव के परिवार में भगदड़ जैसी स्थिति है, जबकि बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती अभी भी आइसोलेशन में है। उन्होंने कहा कि सपा, बसपा और कांग्रेस का युग पहले ही समाप्त हो चुका है। साथ ही जब आप चुनाव के दौरान सक्रियता के साथ आपको जनता के लिए अपने काम पर ध्यान देने के लिए पांच से सात साल कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। उमा भारती ने भविष्यवाणी करके कहा कि विपक्षी दल दो अंकों की सीट के आंकड़ों को भी नहीं छू पाएंगे, क्योंकि राज्य के लोगों ने भाजपा का समर्थन करने का मन बना लिया है, जो विधानसभा चुनावों में प्रभावशाली जीत दर्ज करेगी।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954 मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com
R.N.I.- UPHIN/2012/45127
नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।